जीवन परिचय

नाम	:	राजकी सपेरा
उम्र	:	12 जनवरी, 1973
पति का नाम	:	पूरण नाथ सपेरा
पिता का नाम	:	श्री हला नाथ
माता का नाम	:	श्रीमती पेफा देवी
जाति	:	कालबेलिया (सपेरा)
लोक नृत्य	:	कालबेलिया डांस
पता	:	भोजपुरा बस्ती, 22 गोदाम, जयपुर
मोबाईल नम्बर	:	9414078339, 9929877312
संतान	:	पुत्र - 3, पुत्री - 1
डांस की शुरुआत	:	8 वर्ष की उम्र से शुरू किया

प्रार्थिया,

(राजकी सपेरा)

भारत में दिये गये अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम

सम्मान पत्र मेले एवं उत्सव

1. अपना उत्सव दिल्ली 1980–1986 प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी द्वारा सम्मान
2. रत्न सम्मान जोधपुर में महाराजा श्री गजसिंह जी द्वारा 2007 में
3. राजस्थान संगीत रत्न सम्मान 2015 जवाहर कला केन्द्र में।
4. लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड (नेशनल अवार्डस फिल्म कल्चरलर्स एक्टीविटिस) दिल्ली 05.10.2018
5. आकाशवाणी वीहाई ग्रेड 2018 में
6. पदमनी नारी गौरव नेशनल सिल्ड 2009 में सांसद दिया कुमारी जी द्वारा
7. पुष्कर मेला 1990 से अनेकों बार
8. मरू मेला जैसलमेर 1990 से अनेकों बार
9. मुम्बई 1989 में
10. नागौर उत्सव 1988 में
11. राजस्थान दिवस 2002 जयपर में अनेकों बार
12. सरस महोत्सव लखनऊ 2015 में
13. मेहरानगढ़ 2011 में
14. लठमार होली वृन्दावन मथुरा 2018 में
15. सूरजकुण्ड 1990 से अनेकों बार

26 जनवरी के कार्यक्रम ललित कला अकादमी द्वारा दिल्ली

1. गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 1998 दिल्ली
2. गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2000 दिल्ली में
3. गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2001 दिल्ली मे
4. गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2020 दिल्ली मे
5. गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2024 दिल्ली मे

फिल्मों में कालबेलिया नृत्य की भागीदारी

1. बटवारा फिल्म – 1989 (सामोद)
2. क्षत्रीय फिल्म – 1993 (बीकानेर)
3. हमदोनों – 1995 (चोखी ढाणी)

इसके साथ ही अनेक कार्यक्रमों, होटलों, शादियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं उत्सव मेलों में पुनरावृत्ति के साथ अनेकों बार अलग–अलग राज्यों एवं जिलों में कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

राज्य स्तरीय पुरस्कार एवं स्टेट अवार्ड

1. 15 अगस्त, 2022
2. स्टेट अवार्ड– 2025
3. आई.आई.सी.ए. अवार्ड 2025

विदेशों में दिये गये अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम

1. अमेरिका में अतिथि फेस्टीबल प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी द्वारा 1985
2. पेरिश (फ्रांस) राजस्थान ट्यूरिज्म द्वारा 1990
3. ऑस्ट्रिया आई.सी.सी.आर. दिल्ली द्वारा 1993
4. री–यूनियन (फ्रांस) 1993
5. कनाडा 1998
6. स्पेन मेडरीड 21.05.1998
7. साउथ अफ्रीका 22.08.2000 आई.सी.सी.आर. दिल्ली
8. तजानिया 14.08.2000
9. निरोबी 07.08.2000
10. केन्या 03.08.2000
11. जजीवार 10.08.2000
12. लूसाका 12–16.08.2000
13. मडासगर 24.08.2000
14. मारीशस 24.08.2000
15. शेसेल्स 04.08.2000
16. जोहान्सबर्ग 22.08.2000
17. केपटाउन 2000
18. डर्बन 21.08.2000
19. कोरिया 14.10.2003 कोरिया एम्बेसी द्वारा
20. दुबई 2003 राजस्थान ट्यूरिज्म
21. जापान 2005
22. विरासत फाउण्डेशन जयपुर द्वारा सम्मानित 2007
23. जोधपुर मेहरानगढ़ 2009 अन्तर्राष्ट्रीय फेस्टीबल में भाग लिया
24. इंग्लैण्ड 2010 राजस्थान ट्यूरिज्म
25. दुबई 2011
26. कोरिया 02.04.2012
27. मैक्सीको आई.सी.सी.आर. दिल्ली द्वारा 28.03.2012
28. इटली 2015–2016
29. मारीशस 18.04.2018

राजकी सपेरा

(कालबेलिया लोक कलाकार)

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

प्रशस्ति-पत्र

एतद्द्वारा श्रीमती राजकी सपेरा, जयपुर

को कालबेलिया नृत्य

क्षेत्र में की गई प्रशंसनीय सेवाओं के लिये सराहना स्वरूप यह प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाता है ।

उषा

(उषा शर्मा)
मुख्य सचिव

जयपुर,
दिनांक : 15 अगस्त, 2022

Outlook RESPONSIBLE TOURISM

RAJASTHAN
The Incredible State of India !

INDIAN RESPONSIBLE TOURISM STATE AWARDS RAJASTHAN 2025 – 3rd EDITION

In association with RAJASTHAN TOURISM

Congratulations

Rajki Sapera

for being the Silver Winner in the
Sustainability Champions: Cultural Ambassadors category at the
Indian Responsible Tourism State Awards: Rajasthan Chapter 2025
We recognise your exceptional efforts in helping Rajasthan become a tourism destination, which celebrates 360° sustainability – environmental, social, cultural and economic.

Indranil

Indranil Roy
Chief Executive Officer

जयपुर
विरासत
फाउण्डेशन
विरासत आधारित सामाजिक व आर्थिक विकास

संमान-पत्र

सदियों से चली आ रही
राजस्थान की लोककला परम्पराओं
को
उत्कर्ष प्रदान कर
उनका आलोक विश्व के क्षितिजों तक
पहुंचा कर
अनेक कीर्तिमान बनाने वाले
कालबेलिया नृत्य की शिरोमणि
श्रीमती राजकी सपेरा
को
उनकी सुदीर्घ कला साधना
तथा अपने समाज के
प्रति उपकार भावना के
संमानार्थ
सादर समर्पित

महाराजा गजसिंह जी (जोधपुर)
ट्रस्टी, जयपुर विरासत फाउण्डेशन

श्री जीत सिंह
ट्रस्टी, जयपुर विरासत फाउण्डेशन

राष्ट्रोदय फाउंडेशन

भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद्

सुरीलो राजस्थान 3

राजस्थान संगीत रत्न

श्रीमती राजकी सपेरा

संस्थान राजस्थान की उन महान कला विभूतियों के सम्मान हेतु कृत संकल्प है जिन्होने देश-विदेश में कला क्षेत्र में अद्भूत एवं अनुकरणीय कार्य के अनूठे अभूतपूर्वक किर्तीमान स्थापित किये है, व्यक्तित्व के इस कड़ी में आज हम श्रीमती राजकी सपेरा को राजस्थानी लोक नृत्य क्षेत्र में राजस्थान के लोकरंग के सरोकारो के प्रचार प्रसार के लिये राजस्थान संगीत रत्न 2015 से सम्मानित करते हुए गौरवान्ति महसूस करते है।

प्रकाश संचेती
चैयरमैन

राजकुमार
रिजनल ऑफिसर ICCR

विक्रम सिंह राठौड़
सचिव

सत्यमेव जयते

क्रमांक 0113

रक्षा मंत्रालय

(गणतंत्र दिवस कैम्प)

श्री/श्रीमती/कु॰ राजकी सपेरा ने

गणतंत्र दिवस परेड 2001 में राजस्थान द्वारा प्रस्तुत मरु के स्वर लहरों की बहार

झाँकी में झाँकी कलाकार/~~नायक~~ के रूप में भाग लिया।

श्याम कपूर
विशेष प्रभारी अधिकारी

बी॰ एस॰ लाली
संयुक्त सचिव

श्री प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राजनाथ सिंह जी गणतन्त्र दिवस, दिल्ली–2024

महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू जी, गणतन्त्र दिवस, दिल्ली–2024

प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी
26 जनवरी 2020 - जनपथ - दिल्ली

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी जी नारी पद्मनी पुरस्कार से सम्मानित करते हुए

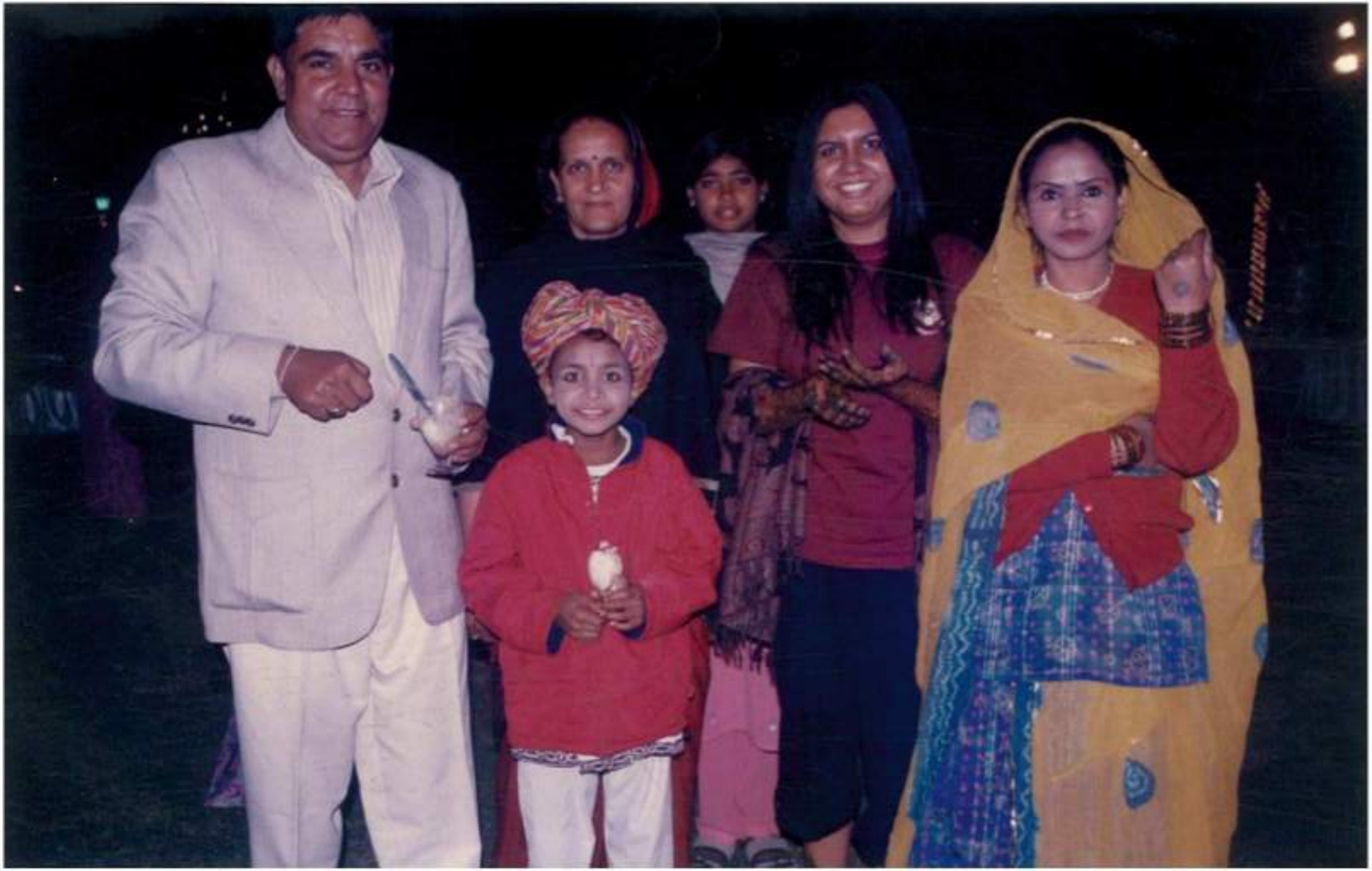

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनकड जी से भेंट।

पद्मीनी नारी गौरव नेशनल सिल्ड 2009 जे.के.के में सांसद दियाकुमारी जी द्वारा पुरस्कार से सम्मानित

महाराजा श्री गजसिंह जोधपुर - 2007 सम्मानित करते हुए

डॉ. भीमराव अम्बेंडकर जंयती पर केन्द्रिय मंत्री बाबुलाल नागर जी द्वारा पुरस्कार से सम्मानित ३०/०

प्रधानमंत्री श्री राजीव गाँधी जी एवं सोनिया गाँधी जी अपना उत्सव 1986 दिल्ली

प्रधानमंत्री श्री चन्द्रशेखर जी सूरज कुण्ड मेला-1993

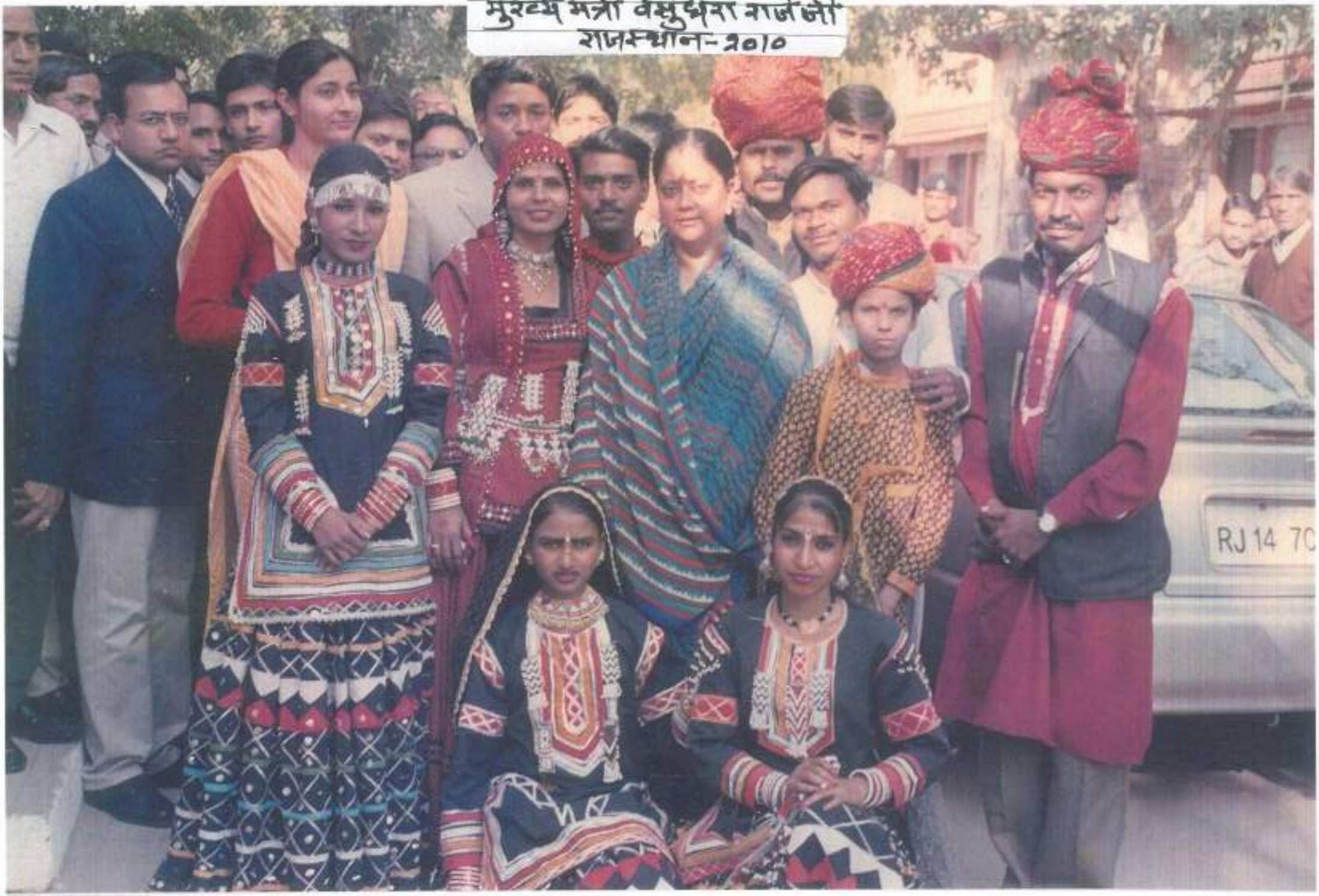

मुख्य मंत्री वसुंधरा राजे जी
राजस्थान-2010

उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी एवं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत (राजस्थान) सुरजकुंड मेला फरिदाबाद दि. 01 फरवरी 2010

बँटवारा –फिल्म 1989 में धर्मेन्द्र जी के साथ

गंणतत्र दिवस 2001 में जवाहर कला केन्द्र में अपनी टीम के साथ रिअर्सल करते हुए

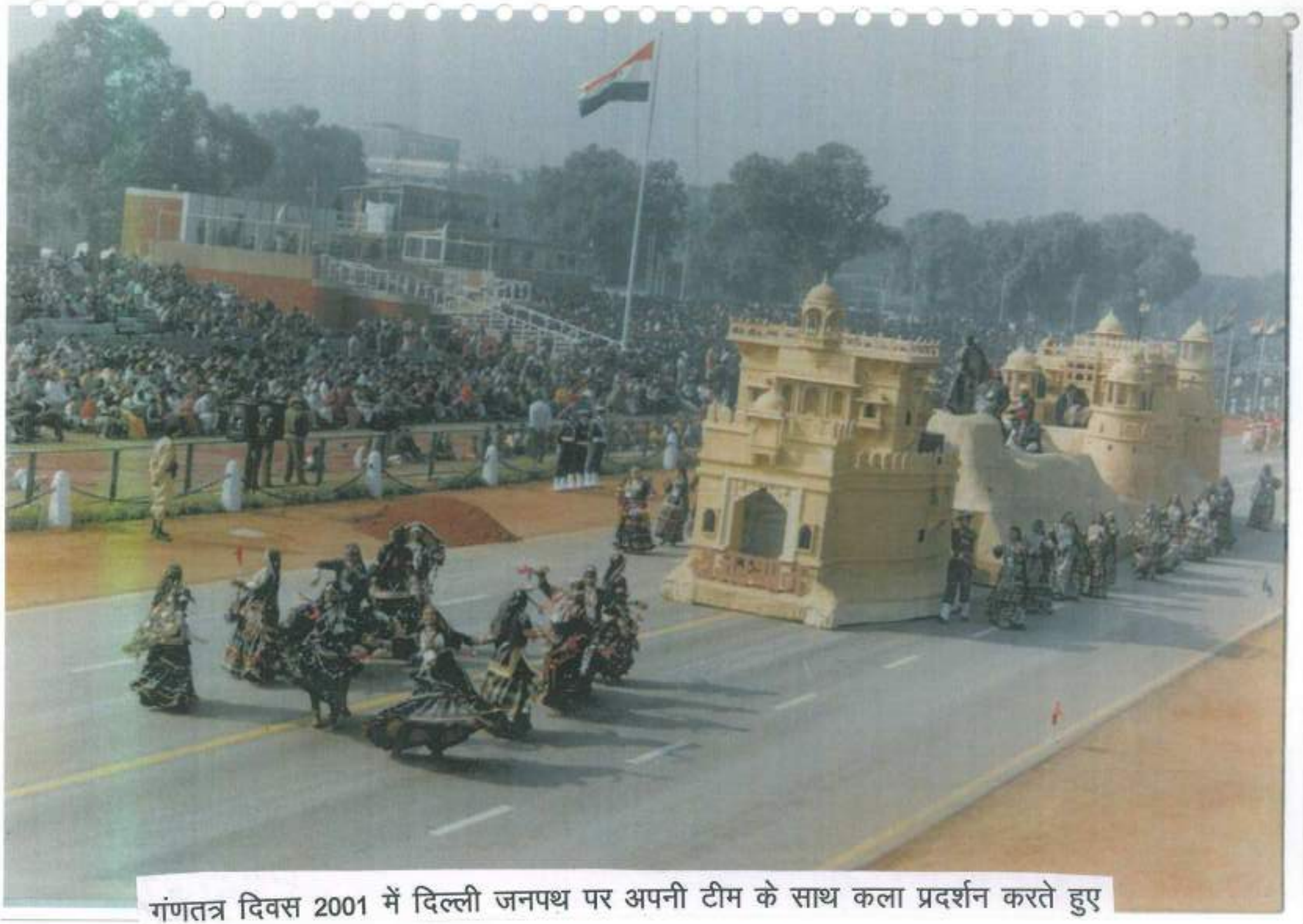

गंणतत्र दिवस 2001 में दिल्ली जनपथ पर अपनी टीम के साथ कला प्रदर्शन करते हुए

मुख्य मंत्री वसुंधरा राजे- होली पर्व-2005

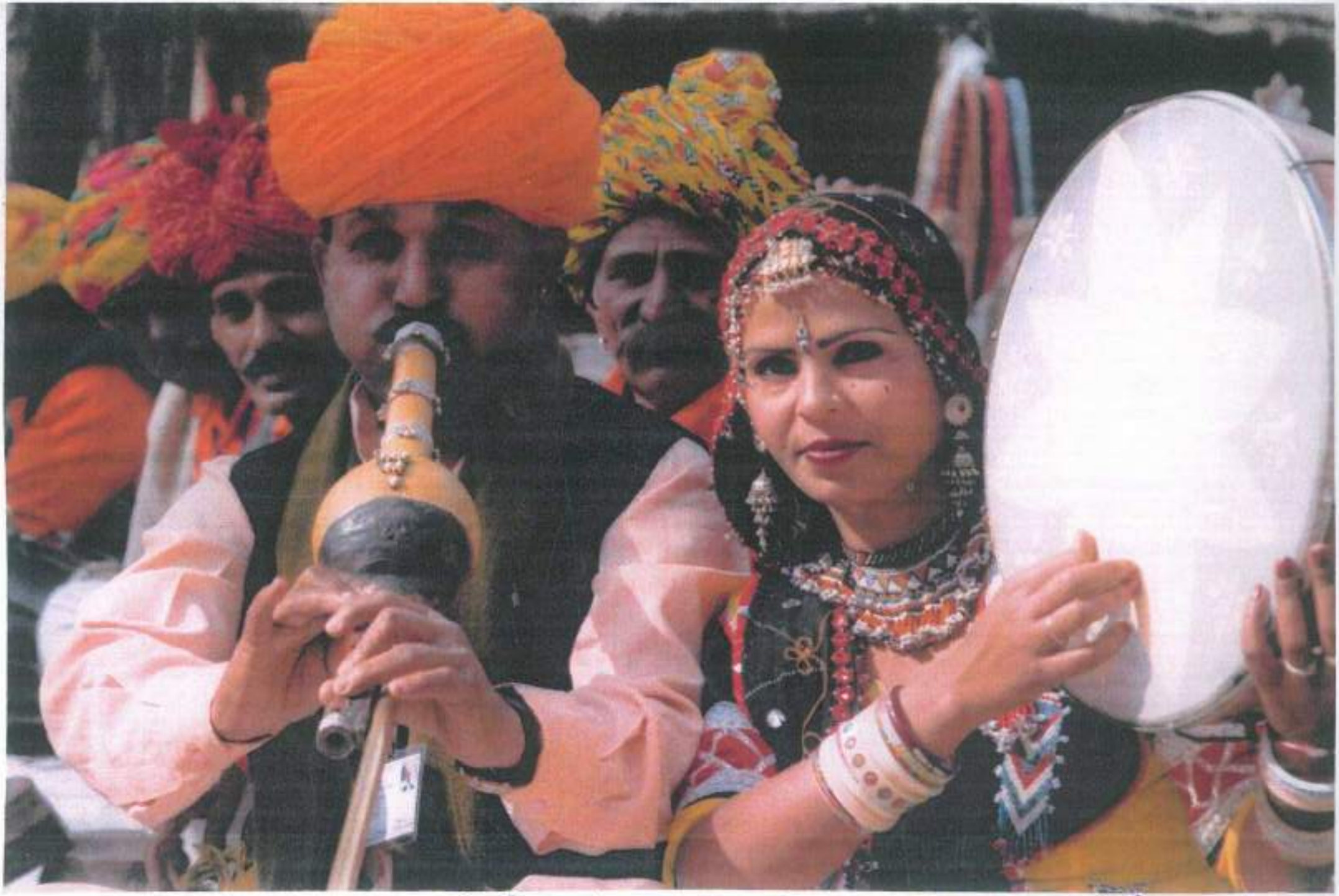

राजकी सपेरा - चंग बजाते एवं बीन पर करणनाथ सपेरा - 2010
सूरज कुण्ड मेला

मनोज तिवाड़ी जी- शादी समारोह में- इन्दौर

मेक्सिको 2012 में ICCR द्वारा भवाई नृत्य का प्रदर्शन करते हुए

राजकी सपेरा (कालबेलिया) डान्स

ललीतकला अकादमी द्वारा रवेन्द्र मंच पर-२२-उतसव पर
२०२२- आतकी संदेश- (कालबेलिया) डान्स

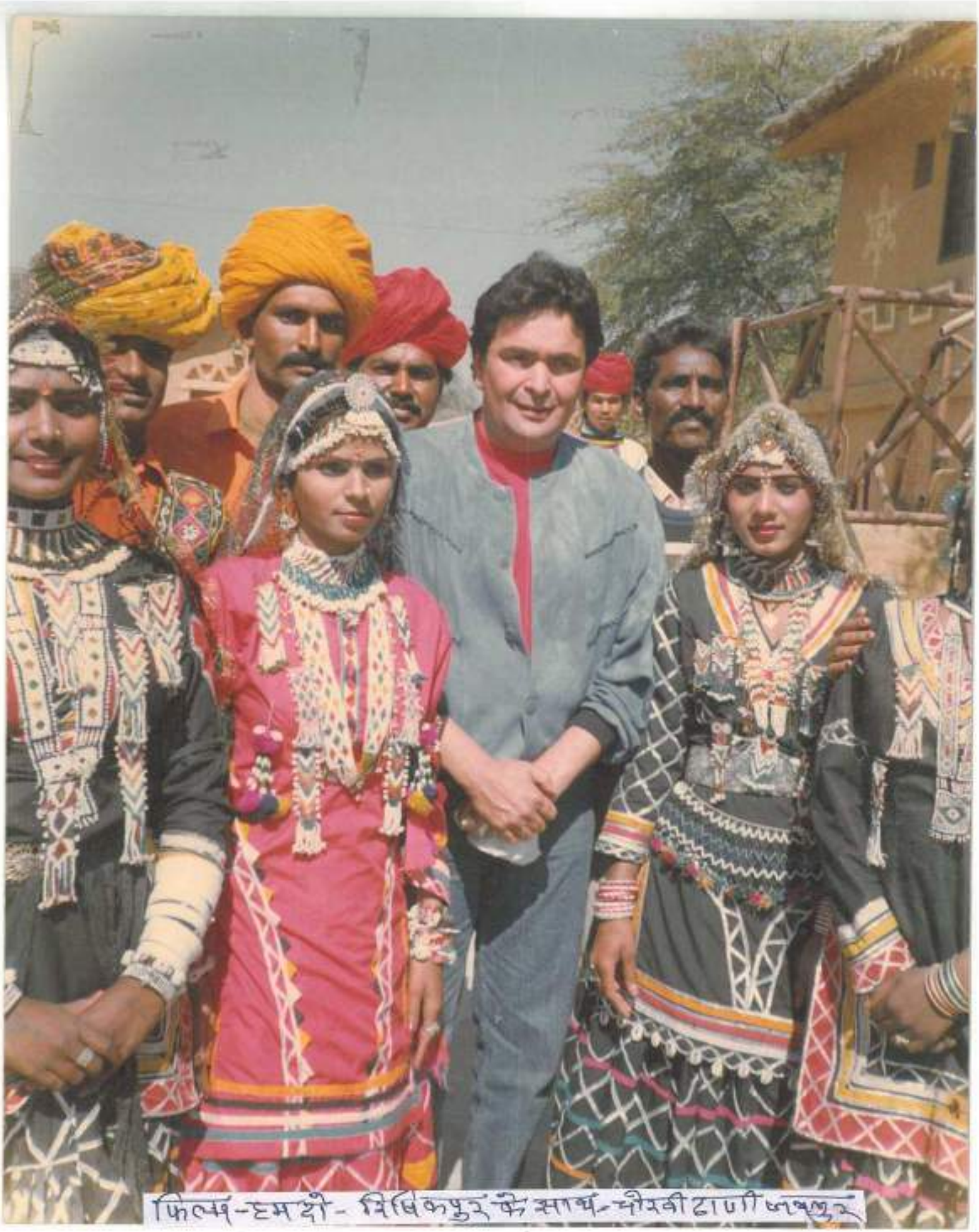

फिल्म-हमदौ - ऋषि कपूर के साथ - चोखी ढाणी जयपुर

शादी-शादी- सिटी पैलेस जयपुर 2015

जनपथ- दिल्ली- 26 जनवरी 2001

डॉ बी.डी कल्ला सांस्कृतिक मंत्री द्वारा सम्मानित

15 अगस्त 2022

झाबर सिंह खर्रा, नगरिया विकास मंत्री, राजस्थान द्वारा आईआईसीए अवार्ड 2025 से सम्मानित

भारतीय जिम्मेदार पर्यटन पुरस्कार 2025 से सम्मानित

Outlook
RESPONSIBLE
TOURISM
RAJASTHAN
The Incredible State of India !
INDIAN
RESPONSIBLE TOURISM
STATE AWARDS
RAJASTHAN 2025 - 3rd EDITION
Hospitality Partner

राजस्थान संगीत रत्न सम्मान

जवाहर कला केन्द्र में सम्मानित 2015

राजकी सपेरा

RAJKI SAPERA

सत्यमेव जयते

भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय, राष्ट्रीय रंगशाला शिविर

गणतंत्र दिवस समारोह–2024

GOVT. OF INDIA, MINISTRY OF DEFENCE, RASHTRIYA RANGSHALA CAMP

Republic Day Celebrations-2024

सुश्री/श्री
Ms/Shri Rajki Sapera ने *has*

गणतंत्र दिवस परेड 2024 में झांकी कलाकार/नायक/उप नायक के रूप में भाग लिया।

Participated as Tableau Artist/Leader/Dy. Leader in the Republic Day Parade-2024

राज्य/*State* Rajasthan

झांकी/*Tableau* Rajasthan

शिव कुमार **(Shiv Kumar)**
विशेष प्रभारी अधिकारी **Officer-on-Special Duty**

महेन्द्र प्रकाश गुप्ता **(Mahendra Prakash Gupta)**
निदेशक (समारोह) **Director (Ceremonials)**

SCHALLABURG

Certificate

Bei der vom Land Niederösterreich und
dem Indian Council for Cultural Relations
veranstalteten Ausstellung "Magic Hands" war

Raiki Sapera

als darstellender Künstler tätig.
Die Ausstellungsleitung der Schallaburg dankt
für die gute Zusammenarbeit.

22-10-1993

RENAISSANCESCHLOSS - SCHALLABURG -

Ministry of Culture, Youth Affairs & Sports

Government of India

Department of Culture

1553

Certificate

*This is to certify that Sri/Smt/Kumari...*RAJKI SAPERA*...................................*

assisted/participated in the Folk Dance Festival, organised on the occasion of Republic Day, 2000 at New Delhi

Dr. R.V.V. Ayyar

Secretary to the Government of India

Department of Culture

1005

Department of Culture
Ministry of Human Resource Development
Government of India

Certificate

This is to certify that Sri/Smt./Kumari RAŠKI SAPERA

assisted/participated in the Folk Dance Festival and Craft Fair

organised on the occasion of Republic Day, 1998 at New Delhi

REPUBLIC DAY
Folk Dance
FESTIVAL 1998

R. V. Vaidyanatha Ayyar
Secretary to the Government of India
Department of Culture

REPUBLIC DAY
Craft Fair
1998

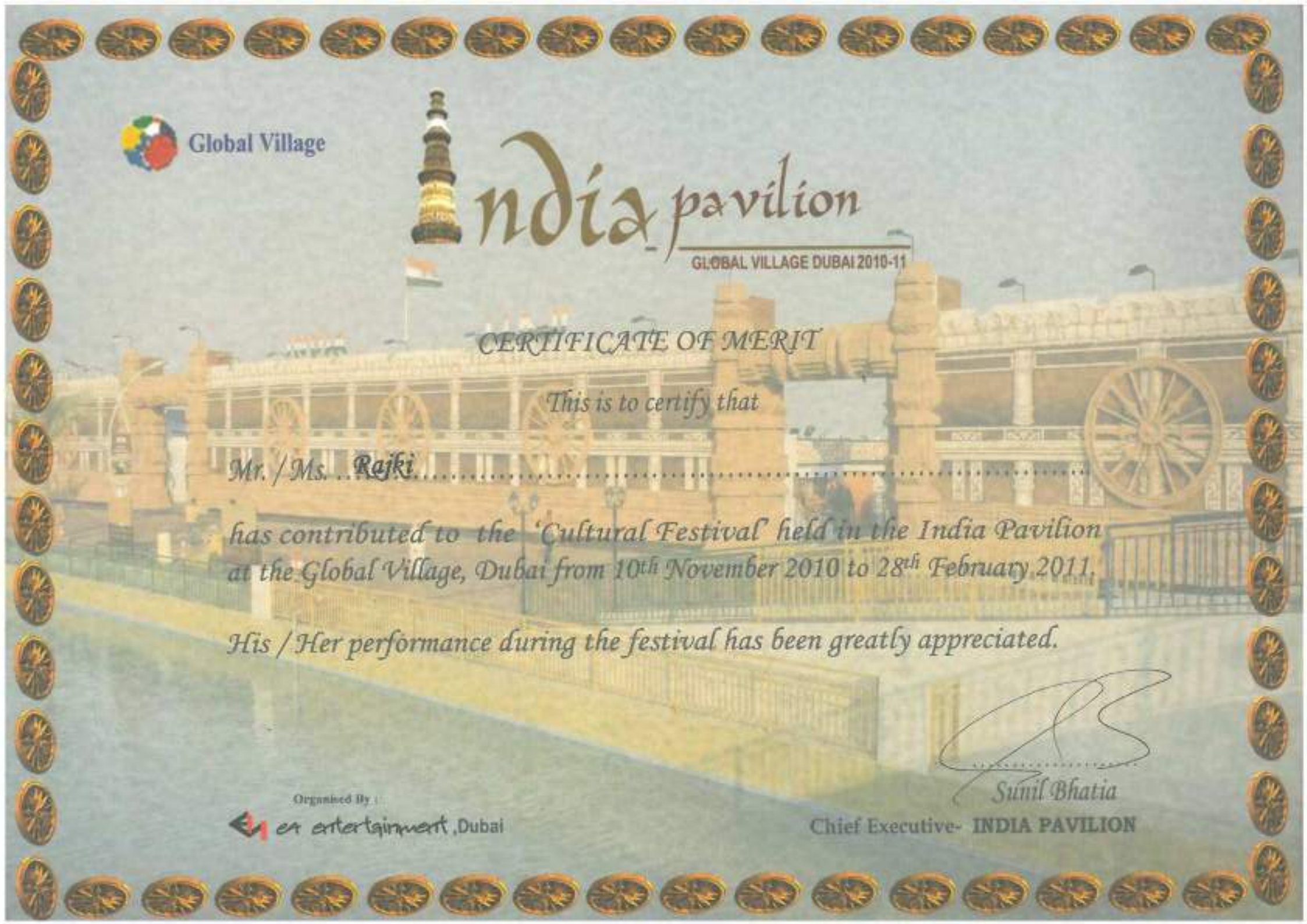

Global Village

India pavilion

GLOBAL VILLAGE DUBAI 2010-11

CERTIFICATE OF MERIT

This is to certify that

Mr. / Ms. Rajki

has contributed to the 'Cultural Festival' held in the India Pavilion at the Global Village, Dubai from 10th November 2010 to 28th February 2011.

His / Her performance during the festival has been greatly appreciated.

Organised By :

e4 entertainment, Dubai

Sunil Bhatia

Chief Executive- **INDIA PAVILION**

1 CENTRAL BASE POST OFFICE

Certificate of Appreciation

This is to certify that Rajki Sapera

*participated in Unit Cultural Programme "**Raag Rang**" staged on* 21 Feb 2013

~~*His*~~ */ Her performance in **Dance/Vocal/Instrumental/Drama/*** Rajsthani

was of the highest order.

(KV Sheshaiah)
Maj
OIC Cultural Pgme

(Sufesh Gupta)
Col
Commandant

स्वामी विवेकानंद एवं खेतड़ी नरेश राजा अजीत सिंह

भारतीय शिक्षा-संस्कृति महोत्सव-2014

दिनांक : 21, 22, 23 सितम्बर 2014
स्थान : खेतड़ी, झुंझुनू, राजस्थान

आयोजक:

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' स्मृति न्यास

प्रशस्ति पत्र

सुश्री/श्री/श्रीमती....राजश्री लपेरा............संस्था/संगठन/राजश्री लपेरा एंड पार्टी जयपुर....

दिनांक 21-23 सितम्बर 2014 को आयोजित भारतीय शिक्षा-संस्कृति महोत्सव में आपके रचनात्मक सहयोग के लिए सम्मान एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुये आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

....
अशोक सिंह शेखावत
संयोजक : भारतीय शिक्षा-संस्कृति महोत्सव
संस्थापक, विवेकानंद शिक्षण संस्थान
राजोता, झुंझुनू, राजस्थान

....
नीरज कुमार, अध्यक्ष
राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' स्मृति न्यास

जन-जन तक पहुँचे पुस्तक संस्कृति

मध्योत्तरी

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र

14, सी०एस०पी० सिंह मार्ग, इलाहाबाद

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु0/श्री/श्रीमती ......राज्यकीय सपेरा एण्ड पार्टी

आत्मज/आत्मजा/पत्नी श्री दलनायक - पूरन नाथ ....ने उत्तर मध्य क्षेत्र

सांस्कृतिक केन्द्र, इलाहाबाद द्वारा आयोजित/~~प्रायोजित~~ चलो मन गंगा यमुना तीर कार्यक्रम

में दिनांक 11 व 12 ....से फरवरी-2002 तक ~~भाग लिया~~/अपनी प्रस्तुति दी ।

कार्यक्रम अधिकारी

निदेशक

ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण

ग्रीष्म सायंकालीन मेला
वर्ष 1998

मे

प्रमाणित किया जाता है कि श्री / मेसर्स कु. राजकी सपेरा
सपेरा नृत्य / राजस्थान ग्वालियर व्यापार मेला
वर्ष 1997-98 में भाग लिया।

उत्कृष्ट एवं सुरुचिपूर्ण प्रदर्शन के लिये इनके प्रतिष्ठान / को
वर्ग में
पुरुस्कार स्वरूप स्मृति पदक से विभूषित किया जाता है।

अशोक शर्मा
उपाध्यक्ष
ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण

एस. एम. जैन
अपर संचालक उद्योग
एवं सचिव
ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण

रमेशचन्द्र अग्रवाल
अध्यक्ष
ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण

North East Zone Cultural Centre, Dimapur

NEZCC

Certificate of Appreciation
awarded to

(श्रीमती. राजकी सपेरा पार्टी)

for participation in
ZORAM KUTPUI FESTIVAL
held at Aizawl
From 20th — 22nd Feb., 1992

Dated 22-2-1992
Dimapur

Robin Bhattacharjee
Acting Director
NEZCC

रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द स्मृति मन्दिर, खेतड़ी (झु.)

विरासत दिवस समारोह समिति

प्रशस्ति पत्र

आपके/आपकी संस्थान... राजकि पूर्णनाथ सैपरा एण्ड पार्टी, जयपुर....ने विरासत दिवस समारोह (12 दिसम्बर 2018) को आयेजित ऐतिहासिक कार्यक्रम में निम्नलिखित प्रकार से सक्रिय भाग लेकर प्रभावी एवं जीवन्त भूमिका निभायी है।

अतः उक्त समिति एवं मिशन आपके इस आत्मिक सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे ही सहयोग की अपेक्षा करता है।

1.

2.

सचिव

(रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द समृति मन्दिर, खेतड़ी)

संयोजक

(विरासत दिवस समारोह समिति, खेतड़ी)

सत्यमेव जयते

मध्योत्तरी

Loktarang - 2010

Delhi CELEBRATES!
Commonwealth Games 2010

DELHI 2010
XIX COMMONWEALTH GAMES

Certificate

This is to certify that Mr/Ms....Rajki Sapera....

from ....Jaipur (Rajasthan).... participated in

Loktarang Folk Festival 2010 held at Delhi from 4th to 13th Oct. 2010.

Date : 14.10.2010
Delhi

North Central Zone Cultural Centre
Ministry of Culture, Government of India

(A.V. SHUKLA)
Director, NCZCC

Anantha Yatre

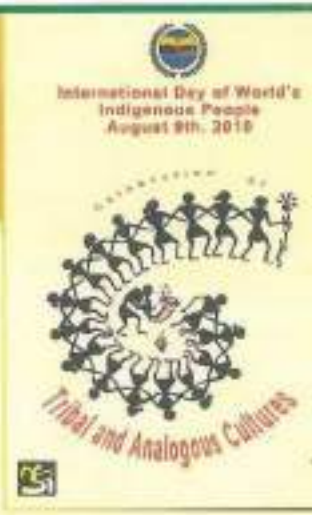

A Special Event on Tribal & Analogous Cultures of India

International Day of World's Indigenous People

August 3rd to 12th, 2010

CERTIFICATE

This is to certify that Sri/Smt/Ku RAJKI SAPERA ..... Participated as a member of troupe from ...RAJASTHAN..... and performed ...BHAVAI DANCE..... during special event *Anantha Yatre* organized by Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Southern Regional Centre, Mysore between 9th to 12th August 2010.

Mysore

12.08.2010

Ashok Kumar Tiwari

Curator

Exemption 80G of Income Tax Act Vide Letter No. Income Tax Commissioner-II / Recovery / 80G / 2006-07 / 1540 / Dated 7-12-06 Valid from 01-04-2006 to 31-03-2009

दृश्य–भारती

सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था, जयपुर

DRISHYA BHARTI CULTURAL & SOCIAL SOCIETY
DB
JAIPUR (RAJ.) INDIA

अभिनन्दन एवं प्रतिभा सम्मान

यह प्रशंसा पत्र

श्री/कुमारी/श्रीमती राजकी सपेरा को संगीत/नृत्य/अभिनय के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के सम्मानार्थ प्रदान किया जाता है। लोककला प्रस्तुति 'मरूधर महोत्सव'

राजस्थान की सांस्कृतिक एवं सामाजिक विरासत तथा लोक संस्कृति की गौरव मयी प्रस्तुति में आपका अनुपम योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

सुधीर पालीवाल	तुलसीराम शर्मा	एस. के. बोहरा	एन. के. पालीवाल	विजय लक्ष्मी
अध्यक्ष	मुख्य संरक्षक	संरक्षक	सचिव	म. संरक्षिका

जयपुर दिनांक 22 मार्च 2007

स्थान : रविन्द्र मंच, जयपुर

I-ви СВЕТОВЕН ФЕСТИВАЛ

за ромска музика и песен

"МОНДИАЛ РОМФЕСТ 05 БЪЛГАРИЯ"

УДОСТОЯВА С

ГРАМОТА

ЗА УЧАСТИЕ

И Н Д И Я

Rajki Sabha Jaipur

Директор: .....

(АЛЕКСАНДЪР КРАЧОЛОВ)

Стара Загора

2005

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग
जयपुर

राजस्थान पर्यटन
प्रमाण पत्र

हाथी समारोह 2001

के उपलक्ष में

राजकी-पुर्ण नाथ एण्ड पार्टी जयपुर

को

कालबेलिया नृत्य प्रदर्शन

हेतु यह प्रमाण पत्र प्रदत्त किया जाता है।

दिनांक 9.3.2001

निदेशक

Jutajaiset

CERTIFICATE

Rajki

has taken part in International Folklore Festival Jutajaiset
20.-29.6.2008 in Rovaniemi Finland

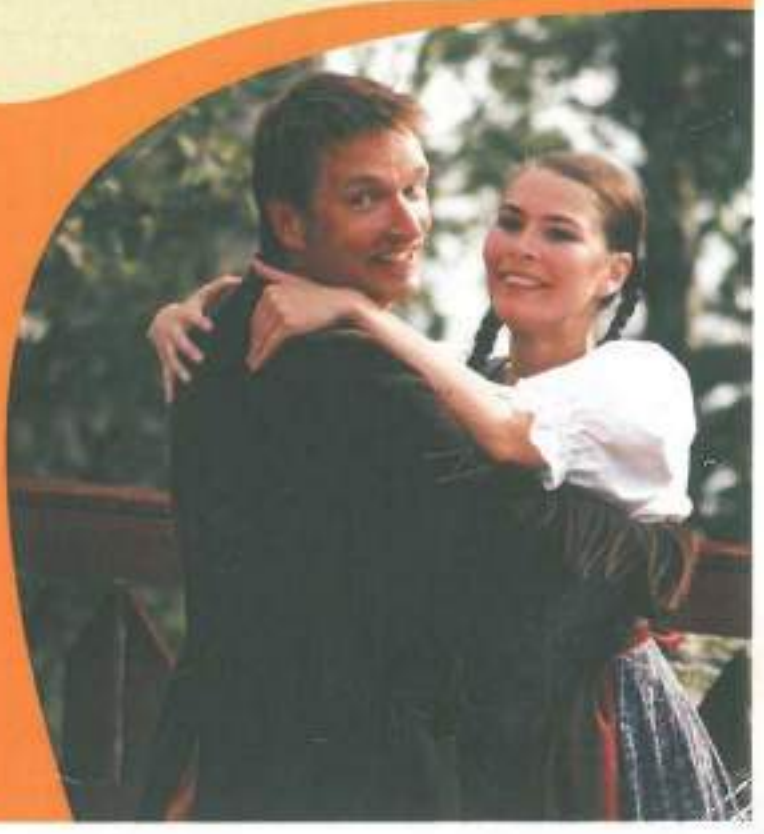

RENAISSANCE-SCHLOSS SCHALLABURG

Tagungs- und Veranstaltungszentrum

Geschäftsführung A-3382 Schallaburg bei Melk, Tel. 02754/6317

1993-06-07

V E R W E N D U N G S Z E U G N I S

Das Amt der NÖ-Landesregierung - Geschäftsführung Schallaburg - bestätigt die ausgesprochen wertvolle Tätigkeit und Zusammenarbeit von

MRS. RAIKI SAPERA

im Rahmen der vom Indian Council for Cultural Relations und dem Land Niederösterreich veranstalteten Ausstellung "Magische Hände" auf der Schallaburg vom 22. April 1993 bis 31. Juli 1993.

Besonders hervorgehoben wird, daß die freundliche und zuvorkommende Art dem Besucher gegenüber, der persönliche Kontakt mit dem Gast und die unbestritten erstklassige Arbeit zum Erfolg der Ausstellung beigetragen haben.

Wir wünschen für den weiteren Lebens- und Berufsweg viel Erfolg.

Management of Schallaburg

Strohmeier

Department of Culture
Government of Lower Austria

High Commission of India
Cape Town Office
P.O. Box 3316
Cape Town 8000
South Africa

TO WHOM IT MAY CONCERN

This is to certify that the Rajasthan folk dance troupe led by Mr. Puran Nath Sapera gave a performance to mark the 53rd Anniversary of India's Independence at the Baxter Theatre Centre in Cape Town, South Africa, on Thursday 17th August 2000. The group consisted of the following performers:

1. Mr Puran Nath Sapera
2. Mr Chandalal Kalbelia
3. Ms. Ramu Bai
4. Mr Shivji Dholi
5. Ms. Rajki
6. Mr Ram Swaroop Nath
7. Mrs. Santra
8. Ms. Geeta Sapera
9. Mr Ramesh
10. Mr Ugam Nath Sapera

The visit to South Africa was sponsored by the Indian Council for Cultural Relations and the programme in Cape Town was arranged by the High Commission of India with the support of the Vadhini Academy of Indian Art, Cape Town.

The outstanding dance & music repertoire, which most beautifully and skilfully portrayed the rich cultural tradition of the Saperas/Kalbelias from Rajasthan, was received with a standing ovation by the large audience which included several prominent South Africans. Among those who witnessed the performance were the Mayor of Cape Town & Members of Parliament.

HIGH COMMISSION OF INDIA CAPE TOWN OFFICE (S.A.)

(Manjeev Singh Puri)
Head of the Cape Town Office
High Commission of India
South Africa
18 August 2000

The Terraces, 9th Floor, 34, Bree Street, Cape Town 8001
Tel. No. (021) 419 8110 Fax No. (021) 419 8112
email : indiactn@iafrica.com

वन्दे मातरम्

सहारा
भारत पर्व

सहारा इण्डिया परिवार द्वारा आयोजित **भारत पर्व** – **2002**, सहारा शहर, लखनऊ में . . . राजकी सपेरा . . . . ने दिनांक – 23.01.2002 से दिनांक – 01.02.2002 तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया।

कृते
फन वर्ल्ड कमेटी

SAHARA
INDIA PARIWAR

स्वागत समिति : भारत पर्व, सहारा इंडिया परिवार
को-ऑर्डिनेशन सेल, सहारा इंडिया भवन, 1, कपूरथला कॉम्प्लेक्स, लखनऊ - 226 024 भारत
फोन 0522-337777, 329473 फैक्स : 0522-378200, 335851 ग्राम : सहाराइंडा
ई-मेल : bharatparva2002@saharaemail.com

सहारा
इंडिया परिवार

स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक

आकाशवाणी

प्रसार भारती
भारत का लोक सेवा प्रसारक
आकाशवाणी,जयपुर

क्रमांक–जय–16(2)संगीत–2017–पी/ 311-

दिनांक 16.01.2018
17/

श्रीमती राजकी सपेरा पार्टी–(1+8),
मकान.न.276,भोजपुरा कच्ची बस्ती,
सहकार मार्ग,22–गोदाम,
जयपुर –302016

विषयः– आकाशवाणी जयपुर द्वारा लोक संगीत का स्वर परीक्षण ।

महोदया,

आपको सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि Regional Audition Board द्वारा लोक संगीत गायन में आपकी रिकार्डिंग दिनांक 05.01.2018 को सुनी गई। बोर्ड द्वारा आपको बी हाई ग्रेड के लिए अनुमोदित किया गया है।

आकाशवाणी द्वारा समय–समय पर कार्यक्रम की आवश्यकतानुसार आपको अनुबंधित किया जाता रहेगा ।

भवदीय,

16/1/18

(भीम प्रकाश शर्मा)
सहायक केन्द्र निदेशक

FOUNDATION OF SAARC WRITERS AND LITERATURE (FOSWAL)

APEX BODY OF SAARC

4/6, SIRI FORT INSTITUTIONAL AREA, NEW DELHI-110049

Phones : 26498070, 26494554 • Fax : 26496542, 26494444

foundationsaarcwriters@yahoo.co.in • afalin@vsnl.net • ajeetcourwriter@yahoo.co.in

www.foundationsaarcwriters.com

Vice President and Chief Coordinator : **MANMOHAN SINGH MITWA**

SAARC

KHUSHWANT SINGH
Chairman
AJEET COUR
President
Dr. ABID HUSSAIN
Executive Chairman
Dr. NAMWAR SINGH
GULZAR
LALIT MANSINGH
Comrade A.B. BARDHAN
Additional Chairmen
Dr. J. S. BAJAJ
C.M. OBEROI
Founder Trustees
ARPANA CAUR
Sec. Gen., Exec. President
MAHASVETA DEVI
M.T. VASUDEVAN NAIR
JOGINDER PAUL
Dr. SITAKANT MAHAPATRA
Prof. G.K. CHADHA
Prof. MUSHIRUL HASAN
Dr. J.P. DAS
Prof. INDIRA GOSWAMI
Prof. SYED SHAHID MAHDI
Ambassador A.N. RAM
SURYAKANTHI TRIPATHI
KAMAL BAKSHI
Dr. RAMAKANTA RATH
K.T.S. TULSI
Prof. REFAQAT ALI KHAN
MANMOHAN SINGH MITWA
GURNAM SONI
Dr. RENUKA SINGH
Vice Presidents
Dr. LYONPO CHENKYAB DORJI
Dr. GOWHER RIZVI
Dr. NIHAL RODRIGO
Prof. ABHI SUBEDI
Dr. ZALMAY HEWADMAL
HAMID MIR
Prof. SHAMSUZZAMAN KHAN
Dr. ENVER SAJJAD
SELINA HOSSAIN
Dr. AKHTAR H. AKHTAR
JEAN ARASANAYAGAM
Dr. MUBASHIR HASAN
Prof. A.K. RASHID
Prof. KAISER HAQ
Special Invitees from SAARC
Prof. K. SATCHIDANANDAN
Chief Editor
Dr. ASHOK VAJPEYI
DINESH MISHRA
Academic Consultants
AIR MARSHAL
GURSHARAN SINGH
Secretary
SANTOSH KAPOOR
Treasurer
Dr. G. N. DEVY
K.K. MUHAMMAD
SONALI BHAGWATI
Dr. H.K. KAUL
Prof. AKHTARUL WASEY
Dr. RAM K. MUKHOPADHYAY
Consultants
AMARJIT SINGH
VIVEK ARORA
Financial Consultant
ANITA SINGH
D. KRISHNA RAO
P.S. BAWA
NARGIS RAJKUMAR
JEET MALHOTRA
M.K. TIKKU
Advisors
FOUNDATION'S NATIONAL CENTRES
AFGHANISTAN
ZAREEN ANZOR
NADJIB MANALAI
AREFA OMARLOOR
MAHBOOBULLAH KHAN
BANGLADESH
Dr. SYED MANZOORUL ISLAM
Dr. FAKRUL ALAM
KAMAL LOHANI
Dr. RUBANA HUQ
BHUTAN
CENTRE FOR BHUTAN STUDIES
MALDIVES
IBRAHIM WAHEED
FATHMATH SAUSAN
NEPAL
Dr. C.M. BANDHU
Dr. PUSHPA R. ACHARYA
Dr. DAMBAR BIR THAPA
MANU MANJIL
PAKISTAN
KISHWAR NAHEED
ASAD MUHAMMAD KHAN
NISAR AHMED CHAUDHARY
SRI LANKA
Dr. G.L.W. SAMARASINGHE
A.H. JAYAWEERA
Prof. JAYASENA KOTTEGODA

o9915382791
5th December, 2010

CERTIFICATE OF APPRECIATION

SAARC FOLKLORE AND HERITAGE FESTIVAL
TRICITY, CHANDIGARH – 03-05 DECEMBER, 2010

GROUP: KALBELIA Sh. Puran Nath & Rajki Sapera
ZONE: 276 Bhojpura Basti, State Motor Garage
COUNTRY: Shankar Pur Marg, 22 Godown
Jaipur Rajasthan.

Dear Group Leader and other Artists,

This is to convey our very, special ***THANKS*** *and* ***CONGRATULTIONS*** *for your* ***EXCELLENT PERFORMANCE*** *at different venues in the* ***Tricity of Chandigarh*** *and at the main venue of* ***TAGORE THEATRE*** *FROM 03 DEC TO 05 DEC' 10*

Enthralled Spectator Response *and* ***Media Coverage*** *bears ample testimony to your* ***high calibre of performances.***

GOOD SHOW ! & KEEP IT UP !!

Padmashri
Ajeet Cour
President – FOSWAL

Manmohan Singh Mitwa
Vice-President – FOSWAL

***** List of Folklore Artists appended overleaf.**

SAARC : South Asian Association For Regional Cooperation
formed in 1985

South Asian Countries in SAARC :
Afghanistan, Bangladesh, Bhutan, India, Maldives, Nepal, Pakistan, Sri Lanka

FOSWAL : saarc literary wing of **ACADEMY OF FINE ARTS AND LITERATURE**
• **a nonprofit cultural organisation** • **DPI Status of United Nations**

Registration No. S-39661, Registered Under the Societies Registration Act of 1860
Registration No. of Parent Orgn 'AFAL' : S-8780, Sept. 15, 1977
• Exempted Under 80 G of Income Tax Act • FCRA No. 231661007

The Korea International Broadcasting Foundation
Arirang Tower 1467-80, Seocho-dong, Seocho-gu, Seoul, Korea.137-070 Tel: 02-3475-5001 Fax: 02-3475-5006

President

TO WHOM IT MAY CONCERN

This is to certify that the Rajasthani Folk Dance and Music Group led by Mr. Puran Nath Sapera gave a performance in the Kimchi Festival From 14th October to 19th October, 2003 at the Gwangju city in Korea.

The group consisted of the following performers;

1. Ms. Geeta Sapera
2. Ms. Meera Sapera
3. Ms. Radha
4. Ms. Rajki Sapera
5. Mr. Chanda lal
6. Mr. Puran nath Sapera (Leader)
7. Mr. Ramsaran
8. Mr. Hira nath
9. Mr. Jagdish nath
10. Mr. Ramash

The visit to Korea was sponsored by the ICCR (Indian Council for Cultural Relations) and the progamme in Gwangju was arranged by Mr. Avinash S. Gill (Indian Embassy in Korea) & Mr. Lee Choon Sik (Arirang TV in Seoul , Korea) with the support of the Gwangju Kimchi Festival Organizing Committee.

The outstanding dance & music repertoire, which most beautiful and skilfully portrayed the rich cultural tradition of the Saperas/Kalbelias from Rajasthan, was received with a standing ovation by the large audience which included several prominent Koreans.

Rajasthani Folk Dance and Music Group led by Mr. Puran Nath Sapera are good representatives of India and through their performance as well as personal interactions have spread knowledge of and goodwill for India amongst the Korean people.

I am confident that visits in future will also draw an enthusiastic response. I would like to wish continuing success to Rajasthani Folk Dance and Music Group led by Mr. Puran Nath Sapera in the future.

Dated: October 19, 2003
Place: Seoul, Korea

(Lee Choon Sik)
Senior Manager
Distribution & Marketing
Arirang TV

Arirang
a Korea World Network

EMBASSY OF THE REPUBLIC OF KOREA
NEW DELHI

April 2, 2012

TO WHOM SO EVER IT MAY CONCERN

The Embassy of the Republic of Korea to the Republic of India is assisting the visit of 5 member Rajasthani Group led by Mr. Puran Nath Sapera to Gimhae, Korea, to give cultural performances at the 36th Gaya Culture Festival held from 4 April to 8 April 2012. The group is recommended by Indian Council for Cultural Relations(ICCR), and has been sponsored by ICCR and performed in Korea(October, 2003), Dubai(March, 2012), Mexico(March, 2012), etc in the past.

Besides their personal baggage, the group is carrying costumes, stage props, musical instruments, etc, which will only be used for performance purpose and be brought back to India.

They are travelling on official passports and the details of the group members are as follows:

SL. No.	Name	Passport No.	Gender	Date of Issue	Date of Expiry	Date of Birth
1	Puran Nath Sapera	F7509487	Male	29/05/2006	28/05/2016	13/09/1960
2	Chanda Lal Kalbelia	J7528201	Male	24/03/2011	23/03/2021	24/07/1974
3	Lalit Kumar Kala	G5906658	Male	31/12/2007	30/12/2017	13/04/1975
4	Raj Bala	F9144436	Female	12/10/2006	11/10/2016	12/03/1971
5	Rajki	F7293827	Female	02/05/2006	01/05/2016	12/01/1973

All concerned may please render necessary assistance and courtesies to the group as and when required. We truly appreciate your kindness.

EMBASSY OF THE REPUBLIC OF KOREA NEW DELHI 대한민국대사관

Sincerely,

Mr. Kim Kum Pyoung
First Secretary, Culture & Press
Embassy of the Republic of Korea

Arcueil, le 20/12/1996

MAIRIE Arcueil

Espace Jean VILAR
1, Rue Paul SIGNAC
94110 ARCUEIL
01 49 69 94 06

****

C'est avec un grand plaisir que nous avons accueilli la troupe d'Artistes indiens dont la présence en notre théâtre a étonné et émerveillé nos spectateurs présents à cette occasion.

Nous tenons à remercier vivement Madame RAJKI pour sa prestation, nous vous souhaitons le plein succès et réitérons nos remerciements.

Dominique MOUSSARD
Directeur de l'Espace Jean Vilar

MAIRIE D'ARCUEIL (Val de Marne)

10, avenue Paul Doumer
94114 Arcueil Cedex
Téléphone : 46 15 08 80
Télécopie : 46 15 08 90

SURAJKUND CRAFTS MELA

SURAJ KUND, DISTRICT FARIDABAD, (HARYANA) INDIA
Tel : Delhi : 6811001,6810799, 6810862
Faridabad : 252054- 57.
Fax : 91- 011-6812945.

TO WHOM IT MAY CONCERN

The artistes, musicians, accompanists and dancing crew of Puran Nath - Rajki Sapera & Party residents of Kachi Basti Bhojpura,Bais Godam,Jaipur added colour rythum and beautiful brisk movements to the total ambience of the 10th Surajkund Crafts Mela 1996. On behalf of the Surajkund Mela Authority I wish them all success.

(SUMANT VADHERA)
Art Director
Haryana Tourism Corporation

SURAJKUND MELA AUTHORITY
Head Office : 17-18-19, Sector 17-B, Chandigarh-160017
P.B.X. No. 702955-56-57. Fax : 91-0172-703185.

भारत का सबसे तेज बढ़ता अखबार

दैनिक भास्कर

राजस्थान : जयपुर (अलवर, सीकर), जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, बीकानेर, म.प्र. : भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, रायपुर, बिलासपुर, जबलपुर, सतना, उ.प्र. : झांसी

कला किसी की मोहताज नहीं होती

उरूक्रम शर्मा

जयपुर, 24 अप्रैल। कला किसी की मोहताज नहीं होती, ना ही उसका ताल्लुक अमीर-गरीब घराने में जन्म लेने से होता है। जयपुर की कच्ची बस्तियों में ऐसी अनेक प्रतिभाएं हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त है। मगर उन्हें अपनी ही सरकार से गौरव प्राप्त नहीं होने का मलाल है।

जयपुर की भोजपुरा कच्ची बस्ती ऐसी प्रतिभाओं का खजाना है जहां के एक नहीं अनेक कलाकार विदेशों में अपनी कला की धूम मचा चुके हैं। कला की छोड़ी हुई छाप ही उन्हें अन्य देशों में अपना कला-कौशल दिखाने के लिए आमंत्रित करती है। इतना ही नहीं अपितु यहां रहने वाले कलाकारों ने बहुचर्चित हिंदी फिल्मों में काम किया है, इनमें कामसूत्र, हम दोनों, बंटवारा, क्षत्रिय आदि प्रमुख हैं।

भोजपुरा कच्ची बस्ती के ये कलाकार हैं राजकी सपेरा, गीता सपेरा और पूरणनाथ सपेरा। यह राजकी पूरणनाथ सपेरा एंड पार्टी के तहत कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। मशहूर कालबेलिया नृत्यांगना गुलाबो से भी ये अपने संबंध बताते हैं। राजकी सपेरा ने बताया कि उसने आठ वर्ष की उम्र से ही नृत्य करना शुरू कर दिया था। उसे किसी ने भी यह कला नहीं सिखाई अपने परिवार की परंपरा ने इस मुकाम पर पहुंचाया। तेरह वर्ष पहले जब उसे अमरीका में नृत्य प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया तो उसे विश्वास ही नहीं हुआ, आखिर कैसे गरीब बस्ती में रहने वाला विदेश जा सकता है, फिर भी मन की खुशी का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। राजकी ने बताया कि हवाई जहाज में यात्रा का सुनकर तो वह रोमांचित हो उठी और सफर शुरू होने से पहले डर के मारे बुरा हाल भी रहा। अनपढ़ होने के नाते विदशों में भाषा संबंधी दिक्कत जरूर आती है किंतु वहां रहने वालों के हाव-भाव समझकर उनकी चाहत का अंदाजा लगा लेते हैं। उसने बताया कि इसी माह वह 25 दिन के लिए स्पेन में कार्यक्रम प्रस्तुत करने जा रही है। राजकी की बहन गीता सपेरा भी इसी दल की सदस्य है। उसने बताया कि पांच वर्ष पहले वह ऑस्ट्रिया में अपना कार्यक्रम दे चुकी है, यह दूसरा अवसर है जब वह विदेश जा रही है। इसी दल के नायक पूरणनाथ सपेरा हैं जो बीन बजाकर लोगों को झूमने को मजबूर करते हैं। उन्हें पीड़ा है कि हिंदुस्तान का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव बढ़ाने के बाद भी उन्हें सुविधा प्रदान नहीं की जाती है।

स्पेन जाने वाले दल की कलाकार राजकी और गीता सपेरा नृत्य की मुद्रा में।

कार्यक्रम प्रस्तुत करने तक तो सब वाह-वाह करते हैं लेकिन बाद में खाली माचिस समझकर फेंक देते हैं। वे बताते हैं कि पहली बार 1992 में विदेश गए थे। उनका दल अब तक फ्रांस, मास्को और ऑस्ट्रिया में अपनी कला प्रदर्शित कर चुका है। स्पेन में उनके दल के कलाकार कालबेलिया, भवाई, चरी आदि नृत्य प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने बताया कि दल के कलाकारों ने कामसूत्र, हम दोनों, बंटवारा, क्षत्रिय आदि मशहूर फिल्मों में काम किया है।

1 नवम्बर, 2007

डेली न्यूज़

जयपुर, गुरुवार

राजस्थान रत्न सम्मान मिलना यादगार क्षण

सिटी रिपोर्टर. जयपुर

जोधपुर में जब मुझे पूर्व नरेश गजसिंह ने प्रथम इंटरनेशनल फोक फेस्टिवल में प्रदर्शन करने के बाद राजस्थान रत्न सम्मान से नवाजा गया तो एकबारगी मुझे विश्वास ही नहीं हुआ कि मैंने यह सम्मान पाया है। उस पल को याद करती हूं तो मैं रोमांचित हो उठती हूं। वह मेरे जीवन का यादगार लम्हा था। यह कहना है जयपुर की भोजपुरा कच्ची बस्ती में रहने वाली कालबेलिया नृत्यांगना राजकी सपेरा का।

डेली न्यूज से बातचीत में राजकी ने कहा कि उन्हें सम्मान तो खूब मिले लेकिन जब यह सम्मान राजस्थान में दिया गया तो वह और भी खास हो जाता है। मैं जब जयपुर आई तो मेरा स्वागत ढोल और पटाखों के साथ किया गया। देश-विदेश में अपने नृत्य से हर किसी के दिल में जगह बना चुकी राजकी ने कहा कि 13 साल की उम्र में मैंने अमेरिका फेस्टिवल में नृत्य किया तो अमेरिका में हर किसी ने मेरे नृत्य की प्रशंसा की। इसके बाद पेरिस, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, स्विट्जरलैंड समेत यूरोप के अनेक देशों में मुझे कौशल दिखाने का मौका मिला।

राजस्थान पत्रिका

गुरुवार, 7 अप्रैल 2011

फोक डांस

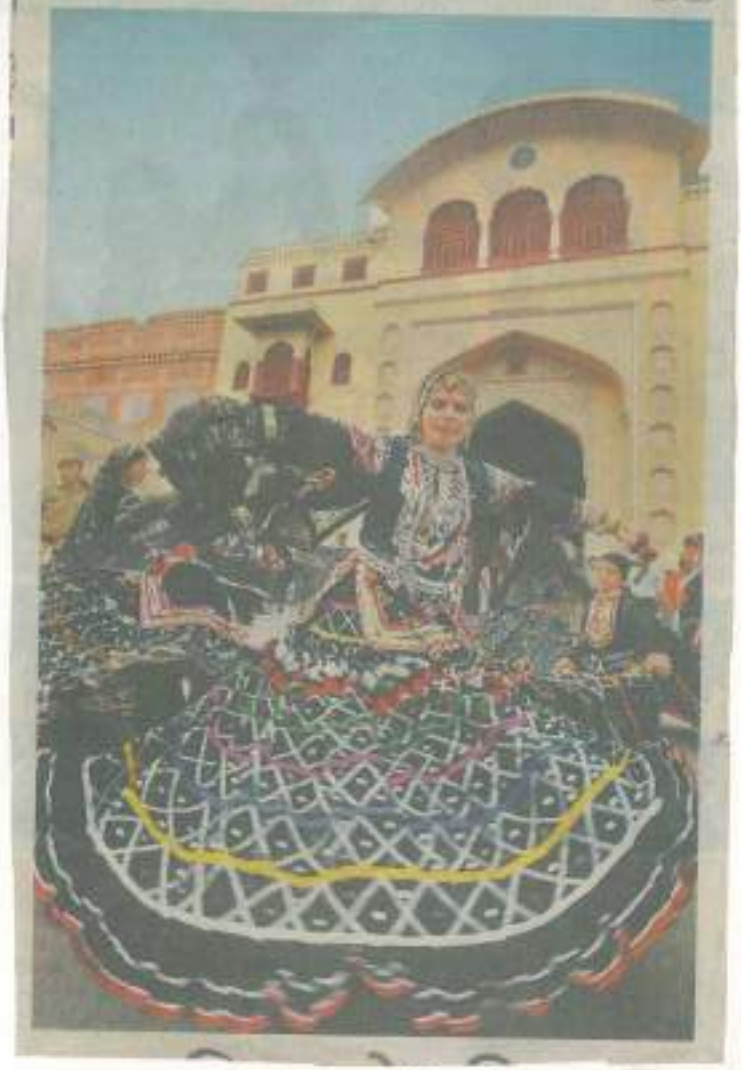

राजकी सपेरा - कालबेलिया नृत्य

THE TIMES OF INDIA | MONDAY, FEBRUARY 15, 2010
FARIDABAD

Delhi Times

Rooting for folk

Photos: Nitin Malik

WHEN RAJASTHANI MUSIC ROCKED: Heavy downpour couldn't dampen the enthusiasm of the city's music lovers, for Satya Sai Auditorium, where the band Rajasthan Roots performed, was packed to its capacity. The band's performance, which was a part of the Delhi Festival, added a touch of Rajasthani folk and electric funk to the festivities. **Aditya Bhasin** aka Addy, the lead singer, started the show with a soulful number, *Mai Tu Wari Jaoon Bal Hari Jaoon*. Giving him company were **Kutle Khan** on the *khartal*, **Kusumakar** on the flute, **Fela** on the electric guitar and **Iqbal** on the *dholak*. Kutle and Iqbal's *jugalbandi* was appreciated by all.

DELHI FESTIVAL
8 Feb - 14 Feb '10

SUFI AND SAXOPHONE! **Hrithik**, Addy's friend from Chicago, played the saxophone and added a Western touch to the performance. The band's music is influenced by Bulleh Shah to Guru Nanak Dev, besides it has a Sufiana *andaaz* to it. "Rajasthan has a strong Sufiana tradition. We play contemporary interpretations of Rajasthani folk songs, *bhajans*, *dohas*, etc," said Addy. The guests also enjoyed the popular Bollywood track, *Nimbuda*, and an original composition, *Angoothi*, sung by Kutle in the pure Rajasthani way. **Rajki** performed the popular Kalbela dance of Rajasthan.

DHOL BAJDA! Iqbal

<< DILLI SHAHAR MEIN MARO GHAGRO JE GHOOMYA Rajki

RUSTIC CHARM: Aditya Bhasin

TIMES SPORT
THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI | SATURDAY, FEBRUARY 13, 2010

FOLK SHOW: A dancer from Rajasthan performs at Culture Curry at Sathya Sai Auditorium on Friday

Fusion band recreates desert magic

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Delhi braved the evening downpour and traffic jams to see fusion band Rajasthan Roots, who brought alive the traditional song and dance of the state in a scintillating performance at Sathya Sai Auditorium on Friday.

On Shivratri, the evening opened with *'vaare jano ve'*, an ode to the gods entering the courtyard. The band created an amalgam of the sounds of the traditional morchang (a percussion instrument also called the organic trance), dotara (a small four-string guitar), bhapang (single-string instrument), flute and nagara which were blended with the saxophone and electric guitar. "Rajasthan is full of emotions and colours. We are going to present the different colours of Rajasthan," said Aditya Bhasin, who has brought this collective of folk musicians together to promote the performing arts of Rajasthan.

The next to come was a solo performance by Kutle Khan on bhapang, which is reflective of the traditions of the Mewat community near Alwar. As the crowds swayed to their beats, the band introduced them to 'sona champa', a Rajasthani classic, with beats of the saxophone woven into the traditional sounds and then the 'shivrangini' on the flute.

The band, performing at the Culture Curry series organised by The Times of India as part of the ongoing Delhi festival, also showcased some original creations by the folk artists — work of Rajasthan Roots with hundreds of musicians from the state to provide them a platform to preserve their heritage and culture. To give the music a wider appeal, the effect of modern instruments like the electric guitar and saxophone are added to it. These included 'angoothi' written by Kutle Khan and his version of the classic Dum Mast Kalandar.

As the evening heated up, the band played the classic Ali Maula lo Banjare, which represents the gypsy spirit in Rajasthan, the famous chari dance from Kishangarh and the Baba Ramdev Song of the kamath community near Bikaner.

The evening ended with "India's favorite Sufi song" Dum Mast Kalandar.

timreporter@timesgroup.com

Farbenfrohes Indien-Fest im Grassi

Bunte Bühnenshow: Zu einem farbenfrohen indischen Fest für die ganze Familie lädt das Grassi-Museum für Völkerkunde für Donnerstag, 17. Mai, von 14 bis 19 Uhr in seinen Innenhof ein. Große und Kleine erleben eine bunte Bühnenshow mit Künstlern aus Indien in prächtigen Kostümen. Die Vertreter der nomadischen Gemeinschaften Banjara, Lambadi, Kalbeliya, Bhopa und Bawariya zeigen Tänze und lassen traditionelle Musikinstrumente erklingen. Diese können teilweise auch selbst ausprobiert werden. Der Eintritt kostet acht, ermäßigt sechs Euro, für Besucher bis 16 Jahre ist der Eintritt frei. Die Karte gilt auch für die Dauerausstellung „Rundgänge in einer Welt". Bei Regen findet alles im Foyer des Museums statt. Foto: Chinh India

Leipziger Volkszeitung

16. 5. 2012

SATURDAY, JANUARY 25, 2003

GULF NEWS

A dancer performs during India's 54th Republic Day celebrations at the Ahmediya Grounds in Dubai. – GN picture by Asghar Khan

Indian workers celebrate Republic Day

By A Staff Reporter

Dubai

Indian construction workers were feted by the Indian Consulate as part of the Republic Day celebrations at the Al Ahmediya Grounds in Aweer yesterday.

About 5,000 workers were invited and they were bussed from their camps for a celebration that they will not soon forget. India's Republic Day is on January 26 but the celebrations were moved forward for the workers as Friday is the weekend.

Consul General Dr George Joseph and his wife, Rani George, presented gifts donated by sponsoring companies.

Food was prepared at temples, mosques and gurudwaras, in a symbolic gesture of solidarity, and distributed to the workers.

The highlight of the morning was traditional dances by artistes.

Meanwhile in Abu Dhabi, Ambassador K.C. Singh will hoist the flag at the mission at 7.45 am tomorrow. In Dubai, the ceremony starts at 8am. Sharjah and Ajman associations are also gearing up to celebrate with a series of activities.

जयपुर, शुक्रवार 11 अगस्त, 2006

भारत का सबसे तेज़ बढ़ता अख़बार
दैनिक भास्कर

म्हारो अस्सी कली का लहंगा

जवाहर कला केंद्र में गुरुवार को इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस की ओर से आयोजित फोक डांस ईवनिंग में सैकड़ों लोग घंटों झूमते रहे। फोक डांसेज की कोरियोग्राफी और रिद्म आकर्षित करने वाले थे। फन और एंटरटेनमेंट से सराबोर इस ईवनिंग में फोक डांसर रामजी पूरनलाल सपेरा और उनकी पार्टी के आर्टिस्टों ने अपनी आर्ट का प्रदर्शन किया। इस मौके पर पेश किए गए चरी, बंजारा, भवाई, कालबेलिया, घूमर और कच्छी घोड़ी डांस लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे।

राजेश कुमावत

अमर उजाला | आगरा | सोमवार | 3 फरवरी 2014

मुख्य बाजार से निकाली भव्य शोभायात्रा

तीन दिवसीय ब्रज महोत्सव का शुभारंभ, कलाकारों ने लोगों को किया मंत्रमुग्ध

अमर उजाला ब्यूरो

भरतपुर। तीन दिवसीय ब्रज महोत्सव का शुभारंभ रविवार सुबह गणेश वंदना के संग शहर के मुख्य बाजारों से भव्य शोभायात्रा निकालकर किया गया। शोभायात्रा को विदेशी पर्यटकों फ्रांस निवासी इमनवैल लमोनियर और उनकी महिला साथी ने बम की धाप के साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। लक्ष्मण मंदिर से शुरू हुई शोभायात्रा में लोक कलाकार लोक कलाओं की छटा बिखेरते हुए चल रहे थे।

शोभायात्रा के प्रारंभ में पुलिस बैंड व दिल्ली पब्लिक स्कूल के छात्रों की बैंड की स्वर लहरियां एवं अन्य बैंड भी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर रहे थे। शोभायात्रा में घोड़ा, ऊंट गाड़ी, बग्गी, रथ आदि परंपरागत पोशाकों से सुसज्जित घोड़े शोभायात्रा को आकर्षक बना रहे थे। इस दौरान शेखावाटी क्षेत्र का चंग ढप नृत्य और झालावाड़ से आया बिन्दौरी नृत्य अपनी अलग छटा बिखेर रहा था। धप्पा वादन की स्वर लहरियां अलग तरह से लोगों को आनंदित कर रहे थे।

महाराष्ट्र का लोक नृत्य रहा आकर्षण का केंद्र

शोभायात्रा में राजस्थान का मशहूर कालबेलिया नृत्य एवं चकरी नृत्य भी लोगों झूमने को मजबूर कर रहे थे। पहली बार गुजरात का आदिवासी सिद्धी धमाल नृत्य एवं महाराष्ट्र का प्रसिद्ध लोक नृत्य भी आकर्षण के केन्द्र रहे। शहनाई वादन के साथ ही कच्छी घोड़ी नृत्य, ढोल वादन, बहरूपिया के स्वांग आदि भी लोगों को आकर्षित करते नजर आए। शोभायात्रा लक्ष्मण मंदिर से शहर के मुख्य बाजारों में होते हुए मास्टर आदित्येन्द्र मल्टीपरपज स्कूल पहुंचकर समाप्त हुई। इसमें 108 महिलाएं परंपरागत परिधानों में मंगल कलश लिए गीत गाती हुई चल रही थी। मंगल कलश यात्रा के माध्यम से 'कन्या भ्रूण हत्या निषेध एवं महिला सशक्तिकरण' का प्रभावी संदेश भी दिया गया। वहीं, स्कूली बच्चे धरा में आने वाले देशी-विदेशी परियों के चित्र हाथ में लिए चल रहे थे।

भरतपुर में रविवार को ब्रज महोत्सव के शुभारंभ पर शहर के मुख्य बाजार से निकाली गई शोभायात्रा।

ब्रज उद्योग मेले का उद्घाटन

भरतपुर। जिला उद्योग केंद्र एवं जिला प्रशासन द्वारा आयोजित ब्रज उद्योग एवं हस्तशिल्प मेले का उद्घाटन विधायक विजय बंसल ने रविवार को किया। सात फरवरी तक स्थानीय ग्रामीण हाट में लगने वाले ब्रज उद्योग मेले एवं हस्तशिल्प मेले के शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता नगर परिषद सभापति सुमन कोली ने की। समारोह में विधायक विजय बंसल ने कहा कि शहर के मध्य स्थित प्रांगण में लगने वाले मेले के लिए शहर के सभी सामाजिक, व्यावसायिक, औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि प्रभावी कार्ययोजना तैयार करें। सुमन कोली ने अपने विचार व्यक्त किए। समारोह में संभागीय चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष केके अग्रवाल, तेल संघ के अध्यक्ष रामनाथ बंसल, ब्रज उद्योग संघ के अध्यक्ष राधेश्याम गोयल, व्यापारी महासंघ के चन्द्रकांत गर्ग, अनुराग गर्ग ने भी मेले के विस्तार के संबंध में अपने उपयोगी सुझाव दिये। प्रारंभ में जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक एमएल रावत ने सात फरवरी तक लगने वाले मेले के संबंध विस्तार से जानकारी दी। मेले में विभिन्न प्रांत व जिलों के हस्तशिल्प उत्पादों की दुकानें लगाई गई हैं।

ब्रज महोत्सव के तहत हुई प्रतियोगिताओं में घोड़ी नृत्य।

अश्व सज्जा में महावीर प्रसाद प्रथम

ब्रज महोत्सव के प्रथम दिन मल्टीपरपज स्कूल में हुई प्रतियोगिताएं

अमर उजाला ब्यूरो

भरतपुर। पर्यटन विभाग राजस्थान, जिला प्रशासन और स्थानीय निकाय के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय ब्रज महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रथम दिवस मल्टीपरपज स्कूल के प्रांगण में आयोजित प्रतियोगिताओं में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। देशी-विदेशी सैलानियों के साथ ही शहरवासियों ने भी प्रतियोगिताओं का खूब लुत्फ उठाया।

पर्यटन विभाग के उपनिदेशक वीके जैन ने बताया कि विदेशी पर्यटकों की टीम ने रस्साकशी प्रतियोगिता में बाजी मारी। वहीं, अश्व सज्जा प्रतियोगिता में महावीर प्रसाद प्रथम, गुलफाम दूसरे एवं रणवीर सिंह तीसरे स्थान पर रहे। अश्व नृत्य प्रतियोगिता में राकेश शर्मा प्रथम, हरवीर सिंह दूसरे एवं भरत सिंह तीसरे स्थान पर रहे। राधा-कृष्ण प्रतियोगिता में नक्षत्र सोनी-सुहानी की जोड़ी प्रथम, इशिका-अभिषेक दूसरे एवं अनुष्का-कनिष्का ने तीसरे स्थान पर बाजी मारी।

दादा-पोता दौड़ में दादा छेदालाल-पोता युवराज प्रथम स्थान पर, दादा गंभीर-पोता आदित्य दूसरे तथा तीसरे स्थान पर दो प्रतिभागी दादा चक्रधर-पोता दीपक और दादा लक्ष्मण ठाकुर-पोता योगेश संयुक्त रूप पर रहे। क्रिकेट कोच एमएस बेदी ने बताया कि पुरुष वर्ग एवं महिला वर्ग के क्रिकेट के शो मैच भी हुए। कबड्डी मैच लोहागढ़ स्टेडियम बनाम मास्टर आदित्येन्द्र उच्च माध्यमिक विद्यालय के मध्य खेला गया इसमें लोहागढ़ टीम विजयी रही। क्रिकेट एवं कबड्डी के खिलाड़ियों को स्मृति चिह्न, टीशर्ट आदि वितरित किए गए।

अपनी मूछों का प्रदर्शन करता प्रतिभागी।

राज्य के सभी जिलों की महक देता पहला राष्ट्रीय समाचार पत्र

हरियाणा पंजाब केसरी

मंगलवार, 12 फरवरी, 2008

Punjab Kesari, Delhi
Regional Supplement

आथो रे म्हारो ढोलणा: सूरजकुंड हस्तशिल्प मेले में गुजराती गुल्थ प्रस्तुत करती महिला कलाकार। (छाया: पंकज सविता)

हरियाणा
पंजाब केसरी
बुधवार, 3 फरवरी, 2010
Punjab Kesari, *Delhi*,
Regional Supplement
मूल्य : 3.00 रुपए पृष्ठ संख्या 12+4+4+20

पूरे चेहरे में समाया इंडिया : 24वें सूरजकुंड हस्तशिल्प मेले में एक छात्र ने अपने चेहरे पर भारत का नक्शा बना कर यह दर्शाया कि हम सब एक हैं। (दाएं) मेले में कालसर्प नृत्य प्रस्तुत करते कलाकार।(छाया: न्यूरो)

सूरजकुण्ड मेले की पहली संध्या राजस्थान की समृद्ध संस्कृति से सराबोर हुई

फरीदाबाद,(न्यूरो): 24 वें सूरजकुण्ड हस्तशिल्प मेले की पहली सांस्कृतिक संध्या इस मेले के थीम स्टेट राजस्थान की समृद्ध संस्कृति से सराबोर हो गई। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत राजस्थान के पारंपरिक गायक कलाकार अनवर खान, गाजी खान बारना, बनवारी लाल, जानकी लाल तथा श्रीमती दुर्गा देवी ने अपने-अपने सहयोगी साजिन्दों और गायक एवं नृत्य कलाकारों के माध्यम से नाट्यशाला को राजस्थानी संस्कृति के रंग से रंग दिया। हरियाणा के सूचना, जनसम्पर्क एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के निदेशक एवं मुख्यमंत्री के अतिरिक्त

ने राजस्थानी वेशभूषा से सुसज्जित अपने लगभग दो दर्जन सहयोगी साजिन्दों व गायक कलाकारों के साथ गीत दमा-दम मस्त कलन्दर गा कर की। इस ग्रुप द्वारा निबुड़ा-निबुड़ा, कागा-कागा, छोटा-छोटा निबुड़ा लाई दो, गीत प्रस्तुत करके श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया गया। राजस्थानी

■ सूचना, जनसंपर्क एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के निदेशक ने सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ किया

लिए किये जाने वाले कच्छी घोड़ी नृत्य को खूबसूरत ढंग से प्रस्तुत किया। कच्छी घोड़ी के बीच नृत्य करता कलाकार, साथी नर्तकी तथा छतरी तान कर नृत्य करते हुए पुरुष कलाकार की लयबद्ध प्रस्तुती अत्यन्त मनमोहक प्रतीत हुई। एक अन्य प्रस्तुती राजस्थान गायक कलाकार ने पारंपरिक वाद्य यंत्र चडुए की तुन-तुन पर ये दुनिया में देख ले-हो रही टर्र-टर्र जैसा तुकबन्दीयुक्त गीत प्रस्तुत करके श्रोताओं को हंसा-हंसा कर लोट पोट कर दिया। गीत में मिनिस्टर, डायरेक्टर, कलेक्टर, डाक्टर, मास्टर, सिस्टर, मॉनीटर, दमाद जैसे टर पर समाप्त

दैनिक नवज्योति
जोधपुर, सोमवार, 5 अक्टूबर, 2009

मेहरानगढ़ में आयोजित जोधपुर अंतरराष्ट्रीय फोक फेस्टीवल में प्रस्तुति देते कलाकार।

मदन वर्मा

सूरजकुंड मेले में कालबेलिया नृत्य प्रस्तुत करतीं राजस्थानी नृत्यांगनाएं।

जागरण

फरीदाबाद, बुधवार, 3 फरवरी, 2010

फरीदाबाद–आसपास

ब्यूटी सिटी

कलाबेलियां नृत्य ने दर्शकों का मनमोहा

बृजभूषण सैनी

सूरजकुंड, 2 फरवरी। 24 वें सूरजकुंड हस्तशिल्प मेले में राजस्थान से आए कलाकारों ने कालबेलियां नृत्य पेश कर पर्यटकों को अपनी ओर आकृषित किया। वाद्य यंत्रों की धुन व नृत्य कला से सराबोर इस नृत्य को देख वहां घूमने आई युवतियां भी अपनी पैरों की थिरकन को नहीं रोक सकी। युवतियां भी उन कलाकारों ने साथ खूब झूम कर नाचीं।

राजस्थान की थीम स्टेट पर आयोजित इस 24वें सूरजकुंड हस्त शिल्प मेले के शेखावटी पंडाल में घूमने आए पर्यटक सपेरा की मंडली के कालबेलिया नृत्य की ओर आकृषित हुए बिना न रह सकी। कालबेलिया नृत्य कलाकारों ने काली कूद पड़ी मेला में, साइकिल पंचर कर लायो गीत पर खूब शानदार नृत्य पेश किया। इस लोकगीत की धुन व नृत्य कलाकारों को देख कर वहां घूमने के लिए आई युवतियां भी थिरकने लगी और उनकी शैली के अनरूप ही नाचने लगी। एक के बाद एक युवतियां नाचने के लिए पंडाल में उठने लगी।

करीब आधा दर्जन से अधिक युवतियां पंडाल में आकर झूमने लगी। लोक कलाकार भी अपनी अद्भुत कलाओं को पेश कर नाचती रही। इसके उपरांत राजस्थानी लोकगीत डीगो थारो छोरियों, मोनका सूरत ही अलबेली लोक गीत कलाकारों ने पेश किया। इस गीत पर नृत्य कलाकार ने अपने सिर पर कई मटकियां रख कर नाचीं। इस गीत की धुनों को सुन कर मेला घूमने आई युवतियां फिर नाचने लगी। उनके साथ नृत्य के हर अंदाज पर साथ देने लगी। इसके बाद राजस्थानी कलाकारों ने धोखा मत दियो जात की जोगन कीने लोकगीत पर नृत्य पेश किया। सपेरा की इस पार्टी के साथ छह महिला कलाकार सभी मिलकर नाचने लगी। एक के बाद एक युवतियां उनके साथ नाचने लगी। युवतियों की भी संख्या बढ़ती गई। सभी मिलकर एक साथ राजस्थानी इस लोकनृत्य के साथ सराबोर हो गई। वे विभिन्न मुद्राओं में नाचते रहे। इस नृत्यकला को इस मेला में खंजरी पर पूरन सपेरा, बीन पर हरजीनाथ, डफली पर राजू सपेरा, ढोलक पर रंजीत भाट आदि इन वाद्य यंत्रों पर साथ दे रहे थे। इन वाद्य यंत्रों की धुनों पर युवतियां अपने आप को नहीं रोक सकी। सपेरा की इस टीम का नेतृत्व राजरी सपेरा कर रही थी। उनके साथ उनके ही परिवार की आरती सपेरा, नीरमा सपेरा, शारदा सपेरा, किरण सपेरा व ममता सपेरा सभी नृत्य की इस कला से पूरी तरह से परिपूर्ण हैं। राजरी का कहना है कि यह उनका परंपरागत नृत्य शैली है। जो कई पीढ़ियों से चली आ रही है। राजरी सपेरा का कहना है कि वह अपनी नृत्य कला का कौशल अमेरिका, मास्को, पेरिस, आस्ट्रेलिया, जर्मन, इंग्लैंड आदि देशों दिखा चुकी है। विदेशों में उनके इस कला कौशल की बड़ी मांग रहती है। अपने देश के कई राज्यों में भी अपनी कला कौशल को दिखाती रही हैं। उनके आने वाली पीढ़ी भी इस नृत्य को सिख रही है। मात्र छह वर्ष की उनकी बेटी ममता भी इस नृत्य की कला में पूरी तरह से परंपरागत है। उनके पति पूरन सपेरा भी उनका भरपूर साथ देते हैं। उनके द्वारा वाद्य यंत्रों पर बजाई जाने वाली धुनों पर वे मन थिरकती हैं। वाद्य यंत्रों को बजाने की कला का कौशल देखते ही बनता है। उनकी पूरी टीम जयपुर से भोजपुरा बस्ती से आई हुई है। यहां सूरजकुंड मेले में वह कई सालों से आ रहे हैं। यहां आकर उन्हें बेहद अच्छा महसूस होता है।

सूरजकुंड हस्तशिल्प मेला शुरु

इस मौके पर उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के साथ थे राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

सूरजकुंड हस्तशिल्प मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं कलाकार

Surajkund: Tourist spot to realty hub

urajkund was majorly a forest area with rural settlements with the annual Surajkund fair as its major draw for business and other commercial activities. Its development started around 10 years ago, but due to government apathy it was unable to flourish. With Faridabad's real estate booming in last few years, developers realised its immense potential and a number of residential and commercial projects were launched.

Surajkund village is one of the areas where real estate is undergoing an overhaul with a number of residential and commercial projects being developed. Spread over 30 acres, it is most famous for its Surajkund Crafts Mela. Organized with the support of Suraj Kund Mela Authority it is an annual event held during February 1-15. Launched in 1981 by Haryana Tourism, the mela (fair) is a platform for artisans and craftsmen from all over India to showcase their finest wares in a rural setting and is a major tourist attraction in Haryana.

Well-known developers with projects in Surajkund include Omaxe, Eros Group, Parsvnath and Ansals. Charmwood Village by the Eros Group was the first township project on the Surajkund Road. Spread over 65 acres, it consists of a multistorey apartment complex, Brentwood Tower and Charmwood Plaza, an integrated complex of shops, showrooms and office space under one roof. The apartments are valued at Rs 60 lakh to Rs 1.5 crore. Rental values of the apartments are approximately Rs 20,000 for a 2BHK unit. Almost 85% of apartments in Charmwood village are occupied while the rest will be given for possession by 2011.

The Omaxe Group's residential project, The Forest, is located near Suraj Kund Complex and is a mere 3km from Delhi. It is spread over an area of 14.5 acres and consists of 3BHK ultra-luxury apartments. Launched in 2006, the project is likely to be completed by 2011. Surrounded by 5,000 acres of green forest zone and Aravali hills, the complex is equipped with state-of-the art facilities with each flat valued at Rs 1.5 to Rs 3 crore.

Located on the Surajkund Road, Omaxe Hills is another residential project being developed by Omaxe Ltd. It has 2 and 3BHK apartments along with 3BHK luxury apartments with servant quarter. The project was launched in 2007 and is likely to be completed in 2011. The apartments, with an area of 3,000-5,000 sq ft are valued at Rs 45 lakh to Rs 2.5 crore. The project comes with various modern recreational and entertainment facilities, and also houses a local shopping complex with about 40 to 50 units of 400-800 sq ft, at a price tag of Rs 30 to Rs 50 lakh. Other residential projects in Surajkund include the Greenfield colony, an integrated township with multistorey apartments and a local shopping complex. A 2BHK apartment in the Greenfield colony is available for Rs 20 to Rs 25 lakh while a 200 sq ft shop is available on rent at Rs 40,000 to Rs 60,000 per month. Diverse range of property like apartments, bungalows and villas are available in the residential category.

Commercial Projects

A number of commercial projects are also being developed for comprehensive development of

दैनिक भास्कर

भारत का सबसे तेज बढ़ता अखबार

जयपुर, सोमवार 8 जनवरी, 2007 | मूल्य 1.50 रु. | कुल पेज 22

जयपुर, सोमवार | 8 जनवरी 2007 | माघ कृष्ण पक्ष-5, 2063

उस्तादों के संग शागिर्दों में उमंग

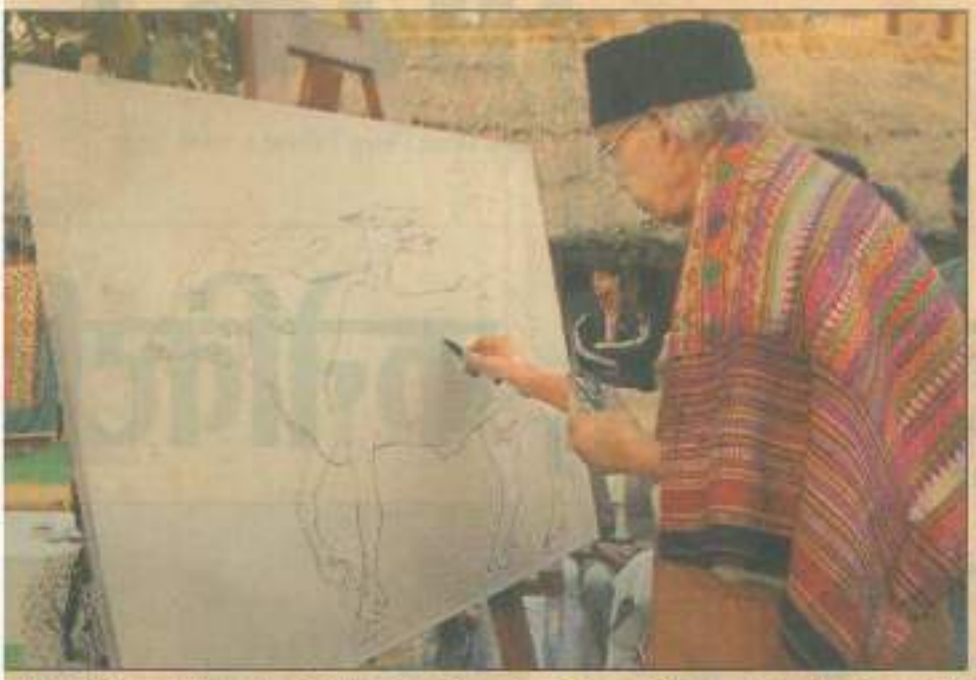

■ जेकेके के शिल्प ग्राम में 'इंटरनेशनल आर्टिस्ट कैंप' का कैनवस पर चित्र बनाकर इनॉग्रेशन करते कृपालसिंह शेखावत और पंडित द्वारकाप्रसाद शर्मा।

जवाहर कला केंद्र में देश के दो कला गुरुओं पं. द्वारका प्रसाद शर्मा और कृपालसिंह शेखावत के कैनवास पर तूलिका चलाते ही इंग्लैंड, जर्मनी और भारत के चित्रकार कह उठे... वाह गुरुजी वाह। इसी के साथ यहां शुरू हो गया व्योम आर्ट गैलेरी की ओर इंटरनेशनल आर्टिस्ट कैंप। सात दिनों तक चलने वाले कैंप के जरिए जयपुर के यंग आर्टिस्ट मुखातिब हो सकेंगे यूरोपियन कला और कलाकारों से।

सिटी रिपोर्टर

जवाहर कला केंद्र केंद्र के शिल्प ग्राम में रविवार को शहर के सारे कला मर्मज्ञ एकजुट थे। उन्हें इंतजार था उन विदेशी मेहमानों का जो अपनी कूची से निकलने वाले रंगों से कैनवास को ही नहीं सबके दिलों को रंगने वाले थे।

मेहमानों का स्वागत केसरिया बालम पधारो म्हारे देस...से किया गया। लोक संगीत और ढोलक की थाप के साथ राजस्थानी की सतरंगी संस्कृति परवान पर आ गई। रात घिरने तक चले इस इनोग्रल फंक्शन में विदेशी मेहमान मेहमाननवाजी का लुत्फ उठाते रहे और थिरकते रहे।

कृपाल सिंह ने ठीक करवाई कलाकारों की भाषा

कला गुरु कृपालसिंह केवल कला का ही नहीं भाषा का भी ध्यान रखते हैं। इसका उदाहरण तब मिला जब मंच से लोक कलाकारों ने अपना प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की। लोक कलाकारों के दल ने मारवाड़ी में बोलना शुरू किया तो कृपाल सिंह बीच में बोल उठे अरे...मेहमान नहीं पावणा कहते हैं।

गुरुजी शॉल जोरदार है:

इंटरनेशनल आर्टिस्ट कैंप में सबसे पहले पहुंचने वाले में से थे कृपालसिंह, उनके आते ही सारे आर्टिस्ट पैर छूने लगे। सभी को आशीर्वाद देने के साथ ही वरिष्ठ चित्रकार विद्यासागर उपाध्याय ने कहा कि अरे गुरुजी शॉल जोरदार है, इस पर ठहाका लगाते हुए उन्होंने कहा, अरे विनय ने जोर देकर यही शॉल ओढ़ने के लिए कहा था।

■ कैंप में कल्चरल प्रोग्राम की प्रस्तुति भी दी गई। दर्शकों में नजर आ रहे हैं देश-विदेश के आर्टिस्ट।

यूं हुआ विनम्रता और शक्ति का मेल

वरिष्ठ कला गुरु क्या बनाते हैं यह जानने की उत्कंठा सभी के मन में थी। जैसे ही तूलिका चलनी शुरू हुई सभी को स्पष्ट हो गया कि क्या बन रहा है। भारतीय जनमानस की अगाध श्रद्धा की प्रतीक गाय को कैनवास पर उकेरा कृपाल सिंह ने। दूसरी ओर पं.द्वारका प्रसाद शर्मा व्यस्त थे, कलाकारों की कल्पना शक्ति को उकेरने में उन्होंने घोड़ा बनाया, इसी के साथ हो गया विनम्रता और शक्ति का मेल।

क्या है इंटरनेशनल आर्टिस्ट कैंप

व्योम आर्ट गैलेरी, जेकेके व ललित कला अकादमी के सहयोग से इंटरनेशनल आर्टिस्ट कैंप में सात दिनों तक भारतीय और विदेशी चित्रकार कैनवास पर कल्पना के रंग बिखेरेंगे। व्योम आर्ट गैलेरी के संस्थापक विनय शर्मा के अनुसार इस आर्टिस्ट कैंप के साथ ही व्योम आर्ट गैलेरी आने वाले दिनों मैनिफेस्ट स्तर पर कलाकारों के प्लेटफार्म उपलब्ध करवाएगी।

नेशनल दुनिया
गुरुवार • 31 जुलाई 2014
02
www.nationalduniya.com

शाही लवाजमे के साथ धूमधाम से निकली तीज माता की सवारी

पर्यटकों और शहरवासियों ने देखी तीज की सवारी

घरों, बरामदों और सड़कों पर उमड़ा आमजन का हुजूम

आज निकलेगी बूढ़ी तीज की सवारी

अरेरेरे...

सेल्फी का चार्म

नृत्य की उमंग

नेशनल दुनिया

जयपुर। पारम्परिक तीज की शाही सवारी बुधवार शाम को सिटी पैलेस के जनानी ड्योढ़ी से पूजा-अर्चना के उपरांत शुरू हुई। सवारी में सबसे आगे हाथी निशान लेकर चल रहा था, इसके पीछे हाथी-घोड़े और फिर कलाकार संस्कृति की छटा बिखेरते नजर आए। बैंड वालों की मधुर स्वर लहरियों पर पर्यटक और आमजन झूमने लगे। जिधर नजर उठाकर देखो उधर आमजन और तीज की शोभायात्रा देखने वालों का हुजूम दिखाई पड़ रहा था। लोग घरों, परकोटे और सड़क पर कई घंटों से खड़े थे। जैसे ही तीज माता की सवारी निकली सभी दर्शनों के लिए आतुर हो उठे।

बहुरूपियों ने धरे शंकर-पार्वती के रूप

बहुरूपिए अपने चिर-परिचित अंदाज में भगवान शंकर, पार्वती सहित कई अन्य रूप धर सबका मनोरंजन कर रहे थे। करतब दिखाने वाले आग के गुबार सहित अन्य करतब दिखा रहे थे। तीज माता की सवारी आखिर में चौबदारों के साथ चल रही थी, जिसमें दो चौबेदार पर्दे झलका रहे थे। पर्यटकों और शहरवासियों ने तीज की मनोहारी शोभायात्रा का लुत्फ उठाने के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। पर्यटकों के लिए फोटोग्राफी की विशेष व्यवस्था की गई थी। तीज की सवारी त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़ और गणगौरी बाजार से होते हुए चौगान स्टेडियम में पहुंचकर समाप्त हुई। तीज का जुलूस राज्य के पर्यटन विभाग, सिटी पैलेस, जिला प्रशासन जयपुर और जयपुर नगर निगम की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

कच्छी घोड़ी, सजे-धजे ऊंट-घोड़ों का आकर्षण

पारंपरिक तीज महोत्सव के जुलूस में विशेष रूप से सजाए गए ऊंट, घोड़े व हाथी शामिल हुए। ऊंटों पर बंदूक व छोटी तोपें रखी हुई थी। कच्छी घोड़ी नृत्य, गैर, कालबेलिया और चकरी नृत्य का आकर्षण देखते ही बन रहा था। शोभायात्रा में तोप गाड़ी, बैलगाड़ी, घोड़ा बग्घी, सुसज्जित रथ भी चल रहे थे, जो राजस्थान के इतिहास को बयां कर रहे थे। शहर के कई नामचीन बैंड ग्रुप एक सुर में कदम से कदम मिलाते हुए मधुर स्वर लहरियां बिखेर रहे थे।

जयपुर > शुक्रवार > 11 अगस्त 2006

राजस्थान पत्रिका

खड़ताल और नगाड़े की ताल

141 रिपोर्टर

चार्म ऑफ चरी- जेकेके में चरी नृत्य करती कलाकार। राकेश शर्मा 'राजदीप'

जयपुर, 10 अगस्त। ढोलक, खड़ताल और नगाड़े की ताल पर लयबद्ध भाव-भंगिमा और बिजली सी रफ्तार लिए नृत्यांगना की थिरकन से जवाहर कला केन्द्र का रंगायन सभागार गुरुवार को स्पंदित हो उठा।

इंडियन काउंसिल फोर कल्चरल रिलेशन्स की ओर से आयोजित लोक संगीत और डांस कार्यक्रम में लोक कलाकारों ने समां बांध दिया। कार्यक्रम में राजकी-पुन नाथ सपेरा एंड पार्टी ने चरी नृत्य, कच्छी घोड़ी, घूमर, भवई, कालबेलिया व बिणजारा नृत्य में प्रांजलता और कमाल फन के तिलिस्म से दर्शकों को बांधे रखा।

म्हं...चमके चूदड़ी बिणजारा रे...गीत पर पदमा सपेरा व अन्य सहयोगी लोक कलाकारों ने खूब तालियां बटोरीं। राजकी सपेरा ने भी भवई नृत्य प्रस्तुति से सभागार में दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मीरा, रत्ना, शीला, चंदालाल व रामस्वरूप ने चरी नृत्य में असर छोड़ा।

कल्चर को बढ़ाने और नए कलाकारों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इंडियन होराइजन के पहले सांस्कृतिक कार्यक्रम कामयाब रहा। संचालन संदीप मदान ने किया।

अमर उजाला नई दिल्ली, बुधवार, 3 फरवरी, 2010

फरीदाबाद

उत्साह : सूरजकुंड मेला परिसर में राजस्थानी कलाकारों के साथ नृत्य करते पर्यटक।

जी हां, बहनों भाइयों मैं हूं जैनेंद्र...

सूरजकुंड (फरीदाबाद)। मेले में एक ऐसी आवाज है जो हर आम और खास को चौपाल की ओर खींच रही है। यह वही आवाज है जिसे आपने गणतंत्र दिवस पर

राजपथ से हो रही कमेंट्री में कई बार सुना होगा। लखनऊ के लोग तो उन्हें सप्ताह में दो बार एफएम रेनबो के एक प्रोग्राम के होस्ट के रूप में सुनते हैं। हम बात कर रहे हैं जैनेंद्र सिंह की। जो मेले के मुख्य सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल 'चौपाल' पर एंकरिंग कर रहे हैं। जब वे चौपाल पर आकर अमीन सायानी के अंदाज में जी हां बहनों, भाइयों मैं हूं जैनेंद्र सिंह...से एंकरिंग की शुरुआत करते हैं तो लोग चौपाल की ओर बरबस ही खिंचे चले आते हैं।

कई बार लोग इस आवाज में दूरदर्शन के शम्मी नारंग को पाते हैं तो कुछ उसमें अमीन सयानी को खोजते हैं। आकाशवाणी के राष्ट्रीय पैनल पर हिंदी कमेंटेटर सिंह अब तक एक हजार से अधिक राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों का संचालन कर चुके हैं। लखनऊ में एफएम रेनबो के गुड मार्निंग लखनऊ नामक प्रोग्राम के वह हर सप्ताह दो दिन

गाजी और अनवर खान ने 'डेजर्ट सिंफनी' से समां बांधा

फरीदाबाद (सूरजकुंड)। सूरजकुंड हस्तशिल्प मेले की पहली सांस्कृतिक संध्या इस मेले के थीम स्टेट राजस्थान की समृद्ध संस्कृति से सराबोर हो गई। कार्यक्रम में राजस्थान के पारंपरिक गायक कलाकार गाजी खान और अनवर खान ने अपने साथियों के साथ डेजर्ट सिंफनी पेश करके समां बांध दिया। उनके 25 सहयोगियों ने कमाइचा, मोरचंग, ढोल, सारंगी, मुरली और हारमोनियम आदि वाद्य यंत्रों के माध्यम से नाट्यशाला को राजस्थानी संस्कृति के रंग से रंग दिया। गाजी खान बारना ने राजस्थानी वेशभूषा में सुसज्जित अपने लगभग दो दर्जन सहयोगी साजिंदों व गायक कलाकारों के साथ धमाकेदार गीत दमा-दम मस्त कलंदर पेश किया। फिर इस ग्रुप द्वारा 'निबुड़ा-निबुड़ा...गीत प्रस्तुत करके श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया गया।

पेशकश

तुकबंदीयुक्त गीत टर्र-टर्र की प्रस्तुति भी रही सराहनीय

जयपुर से आए कलाकार बनवारी लाल व साथियों ने राजस्थान में भादों के महीने में तेजा जी महाराज को खुश करने के लिए किए जाने वाले कच्छी घोड़ी नृत्य को खूबसूरत ढंग से प्रस्तुत किया। एक अन्य राजस्थान गायक कलाकार ने पारंपरिक वाद्य यंत्र चंदुरा की तुन-तुन पर 'दुनिया में देख ले-हो रही टर्र-टर्र' जैसा तुकबंदीयुक्त गीत से खूब हंसाया।

मेले में नहीं बुलाई गई शहर की प्रथम नागरिक

फरीदाबाद। शहर की प्रथम नागरिक यानी कि नगर निगम की मेयर को सूरजकुंड मेले में आमंत्रित नहीं किया गया। मेयर ही नहीं बल्कि डिप्टी मेयर व निगम के पार्षद भी इस बार मेले में आमंत्रित नहीं किए गए। मेले का शुभारंभ देश के उपराष्ट्रपति द्वारा कराया गया है, और प्रोटोकॉल के अनुसार मेले

रोष

मेयर को स्वयं मंगवाना पड़ा आमंत्रण पत्र : सिरमानी

उन्होंने मेयर जैसे संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई है, जिसकी वह प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत करेंगी।

सिरमानी ने बताया कि इस मामले में वह अपनी शिकायत मेला देख रहे हुडा प्रशासक अभय सिंह यादव से मंगलवार को की है। यादव ने जांच का

सिटी activit

फेस्टिवल के दौरान सैलानियों ने पतंगबाजी के साथ लोक कलाकारों की धुन पर डांस भी किया।

जलमहल पर पतंग की हिलोरें

जलमहल में पहली बार हुआ पतंग उत्सव, पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित इस उत्सव में इस बार विदेशी सैलानियों की संख्या पिछले सालों के मुकाबले ज्यादा रही।

सिटी रिपोर्टर

शहर और सैलानी दोनों के लिए पहला अवसर था जब जयपुर का सबसे बड़ा और लोकप्रिय पतंग उत्सव जलमहल की पाल पर मनाया गया। पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित इस फेस्टिवल में जब पतंगबाजों ने हुनर दिखाना शुरू किया तो एक साथ दो जगह पतंगें हिलोरें लेने लगीं। एक खुला आसमां, दूसरा जलमहल का पानी। इस बीच लोक कलाकारों के स्वर और ताल ने इस खूबसूरत समां में चार चांद लगा दिए। कहीं कच्छी घोड़ी, कालबेलिया डांस तो कहीं स्वागत के लिए खड़े दो सजी-धजी ऊंटनी। वैसे तो चौगान स्टेडियम में कैमल कार्ट राइडिंग बेहतर ढंग से हो सकती थी, लेकिन इस बार वैन्यू बदलने के बाद भी आयोजकों ने जलमहल की पाल के आसपास सैलानियों को यह सवारी करवाई। इस फेस्टिवल में विभिन्न तरह की पतंगों की प्रदर्शनी के साथ-साथ 6 फीट लंबी चरखी भी अलग ही थी। दोपहर 12 से 3 बजे तक चले इवेंट में 'काइट फ्लाइंग कॉम्पिटीशन' आयोजित किया गया इसमें आमेर क्लब ने जयपुर क्लब को दो-तीन से हराया। वहीं बाबू खान ने एक ही डोर से लगभग डेढ़ घंटे तक दो सौ पतंगें उड़ाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। पिछले साल उन्होंने सौ पतंगें उड़ाई थीं।

मैं मदद कर सकता हूं

पतंग उत्सव में जहां शहरवासियों की पतंगें हवा से बात कर रही थीं, वहीं विदेशी पर्यटकों के लिए पतंग को ऊंचा करना इतना आसान भी नहीं था। अक्सर शहरवासी अपने साथ-साथ विदेशी मेहमानों की पतंग भी ऊंची करते दिखाई दिए। ऑस्ट्रेलिया की सिंडी की पतंग ऊंची करने के बाद स्टूडेंट राहुल उनसे कहने लगे। फर्स्ट ऑर्डर, बट लुक एट यौर काइट। उसका नतीजा यह हुआ कि चाय चास ही सही, लेकिन एक पेंच तो सिंडी ने भी काट ही दिया।

पहले जैसलमेर अब जयपुर

फेस्टिवल में पर्यटन विभाग की ओर से दाल के पकौड़े और तिल से बने व्यंजन भी मेहमानों को मनुहार के साथ खिलाए जा रहे थे। स्टॉल के पास मीरा अपनी फ्रेंड ब्रेंडी व्हीलर और उनके हसबैंड को इन देसी व्यंजनों की कहानी बता रही थीं। मीरा कहती हैं, हम लोग दो साल पहले जैसलमेर में मिले थे। उस वक्त यह लोग शॉर्ट विजिट पर थे, इसलिए जयपुर नहीं आ पाए।

फोटोग्राफी यहां भी

अक्सर पर्यटक लोक कलाकारों की पतंगों की फोटोग्राफी कर रहे थे, लेकिन यूएस के रोडेआइलैंड स्कूल ऑफ आर्ट की दस लड़कियों के ग्रुप का फोटोग्राफी का पैशन बहुत हद तक प्रोफेशनल टच लिए था। ग्रुप की माइकल ने कहा, हम फोटोग्राफी की स्टूडेंट्स हैं, तीन हफ्ते के लिए इंडिया की फोटोग्राफी करने आए हैं। जयपुर के काइट फेस्टिवल के बारे में सुना था, इसलिए यहां आए हैं।

जयपुर, शुक्रवार 20 अगस्त, 2004

राजस्थान पत्रिका

राजस्थान पत्रिका जयपुर, शुक्रवार 20 अगस्त, 2004

तीज की सवारी के साथ लोक नर्तक दलों ने भी अपने फन का प्रदर्शन किया। पत्रिका फोटो

लवाजमे के साथ तीज की सवारी

जयपुर, 19 अगस्त। अच्छी वर्षा से उत्साहित ग्रामीणों ने मधुश्रवा तीज (जिसे सामान्य भाषा में श्रावणी तीज कह देते हैं) पर गुरुवार को उल्लासपूर्वक पूरे लवाजमे के साथ निकली सवारी के दर्शन किए।

हर बार की तरह ग्रामीणों के समूह दोपहर से ही अपना-अपना स्थान रोकते हुए सवारी के पूरे मार्ग में कहीं बैठकर तो कहीं लोक गीत गाते हुए उल्लास दर्शा रहे थे। विदेशी पर्यटकों के लिए भी खास आकर्षण का केन्द्र रही तीज माता की सवारी को वे कैमरे में कैद करते देखे गए। पर्यटन विभाग की ओर से हिन्द होटल पर इनके बैठने की पर्याप्त व्यवस्था थी।

सवारी से पहले लोक नर्तकों के दलों की प्रस्तुति आकर्षण का केन्द्र रही। सवारी रवानगी से पूर्व ही इन लोक नर्तक दलों ने अपनी लोक कलाओं से कहीं नाचते हुए तो कहीं अपने वाद्यों का वादन करते हुए प्रशंसा बटोरी। शाम छह बजे त्रिपोलिया दरवाजे से सजे-धजे छोटे गजराज का आगमन हुआ। इसके बाद गदा लिए हाथी पर सवार दरबारी प्रकट हुआ। इसके साथ ही सवारी की निकासी विधिवत शुरू हो गई। आगे सुन्दर बैण्ड स्वर लहरियों से तीज माता की सवारी की रवानगी का आगाज कर रहा था। इसके बाद बैलगाड़ी में तोपची की सवारी चल रही थी। लगभग साढ़े तीन दर्जन हाथियों पर महावत बैठे थे।

हाथियों का दल जैसे ही आगे बढ़ा रेगिस्तानी जहाज (ऊंट) ने शुभ अंक 11 की संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके बाद बैंड चल रहा था। राजदरबार की दो पालकी इसमें पहली में शहनाई वादन हो रहा था। वहीं आगे खाली पालकी थी। इसके पीछे घोड़े चल रहे थे। चांदी के रथ में सवार पार्वती स्वरूप तीज माता के आगे जहां लाल रंग की दरबारी पोशाकें पहने दरबारी थे। इनके हाथों में चांदी की गदा थी। वहीं उनके आगे कावड़ों में तीज माता को लगाए जाने वाले भोग था। इसके आगे जीप बैंड राजस्थानी लोक गीतों और धार्मिक गीतों की स्वर लहरियों को बिखेरता लोगों के कानों को भी सुकून दे रहा था। तीज माता को नमन करते हर छोटे- बड़े के साथ ही इनको चढ़ाने के लिए दूर से ही पैसों की बरसात से 'लूट सके तो लूट' कहावत को चरितार्थ करते छोटे- बड़े छितककर सड़क पर पड़े पैसों को बटोरने में लगे हुए थे। सवारी त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार, चौगान स्टेडियम होकर पाल का बाग पहुंची। वहां कुछ समय विश्राम के बाद वापस जनानी ड्योढ़ी पहुंच गई। वहां से शनिवार को सवारी जिसे आम लोग 'बूढ़ी तीज' के नाम से जानते हैं, की सवारी शाम 6 बजे आज की तरह इसी लवाजमे के साथ निकलेगी।

चौगान में मेला: मधुश्रवा 'श्रावणी तीज' पर लोगों ने घेवरों का लुत्फ उठाया। शहर में घेवरों की खरीदारी भी बढ़-चढ़कर होने के साथ ही महिलाओं ने झूलों में झोटे लेते हुए मौसम का आनन्द लिया। चौगान स्टेडियम में हर बार की तरह मेला भरा। यहां लोगों ने जहां चाट-पकौड़ी का लुत्फ उठाया।

बूढ़ी तीज की मान्यता गलत

चाहे गणगौर हो अथवा तीज, दूसरे दिन निकलने वाली सवारी को बूढ़ी गणगौर अथवा तीज का नाम दे दिया गया है। पार्वती स्वरूप गणगौर अथवा तीज कभी बूढ़ी हो ही नहीं सकती। समय के साथ ही पंचांगों में भी इसे बुढ़ापे का नाम दे दिया गया है। सवारी में कहीं भी न तो स्वरूप में और न ही कहीं लवाजमे में बूढ़ापन नजर आता है। शहर की महिलाएं इस बात पर ऐतराज करती हैं कि पार्वती अथवा गौरी को बूढ़ी नाम देकर देवी देवताओं के प्रति सम्मान को चोट पहुंचती है।

CO
XI, XII, B
Commerc
Invited
Coach
Rs.2.
Devote
at yo
Rush or
also take
98292-2
Corp. O
Above Raj
Ph: 014
A

15 December 2019 KURUKSHETRA KESARI

कुरुक्षेत्र केसरी

संगीत की धुनों ने किया भाव-विभोर

कुरुक्षेत्र, 14 दिसम्बर (धर्मवीर)। गीता जयंती के अवसर पर ब्रह्मसरोवर के विभिन्न घाटों पर कलाकारों ने अपनी उम्दा प्रतिभा का जादू बिखेरा। हिमाचल के कलाकारों ने चम्बा का मशहूर नृत्य डंडारस तथा गद्दरिया की प्रस्तुति दी। ढोल पर धमाल और लाहौली आदि ताल्लों पर तेज गति से जब नृत्य प्रस्तुत किया गया तो माहौलता भी छा गई। टीम लीडर अतुल शर्मा ने बताया कि लाहौली मंदगति का ताल है।

गद्दरिया नृत्य हिमाचल के गद्दी क्षेत्र में विशेष रूप से प्रचलित है। इन नृत्यों में नृतक 'गद्दरिया' व 'बंजारे' का रूप प्रस्तुत करते हैं। वाणी को मधुर गुनगुनाहट भी कनपटी को बेधती चलती है। इस प्रकार उल्लास का एक समुद्र प्रवाहित होने लगता है।

इस नृत्य में राकेश शर्मा, नीरज रूपम, धर्मेंद्र शर्मा, पुनीता, कीर्ति, सोनिया व वीनू आदि शामिल हैं। जम्मू के कलाकारों ने 'शोड रचेस', 'जबरो' व 'रात जाग' नृत्य प्रस्तुत किए। लद्दाखी नववर्ष के अवसर पर यह नृत्य लद्दाख के 9 प्रतिष्ठित परिवारों की 9 स्त्रियों व पुरुषों द्वारा अपने राजा के समक्ष प्रस्तुत किया जाता था।

मुख्य रूप से स्त्रियां ही इस नृत्य को प्रस्तुत करती थीं। तत्पश्चात मणिपुर के कलाकारों ने रास नृत्य की प्रस्तुति दी। राजस्थान के कलाकारों ने कालबेलिया नृत्य की छाप छोड़ी। कालबेलिया एक खानाबदोश उपजाति है। इस जाति के लोग स्थान-स्थान पर घूमकर सांपों का खेल दिखाते हैं।

इनका मूल स्थान राजस्थान के जिला गंगानगर में नोहर के पास गोगन गांव बताया जाता है। इसी गांव में सर्पों के देवता जाहर पीर का समाधि स्थल भी है। पीर की ये लोग पूजा करते हैं क्योंकि इनका कथन है कि गुगा पीर के वरदान का ही फल है कि इन पर सांपों के विष का प्रभाव नहीं पड़ता।

मथुरा के कलाकार नरेंद्र शर्मा ने नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ब्रह्मसरोवर के घाटों पर विभिन्न प्रदेशों की संस्कृति लघु भारत के रूप में सिमटी हुई थी।

उधर, राज्यस्तरीय प्रदर्शनी में ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, मानवतावादी संस्थान के अलावा अन्य धार्मिक संगठनों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र बिंदु बनी रही। दूरदराज से आए पर्यटकों ने आज जमकर खरीददारी की। दुकानदारों ने बताया कि पिछले वर्ष की उपेक्षा इस वर्ष उनकी बिक्री में बढ़ोतरी हुई है।

फर्नीचर, ज्वैलरी, शॉल, साड़ियां, गर्म कपड़े, क्राकरी आदि वस्तुओं की अधिक बिक्री हो रही है। देश के विभिन्न प्रांतों से आए चित्रकारों द्वारा लगाई गई पेंटिंग्स को जमकर सराहा गया।

गीताधाम, जयराम आश्रम, ब्रह्मपुरी आश्रम, इस्कान के अलावा अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों में भारी भीड़ दिखाई दी। ज्योतिसर में स्थित इस्कान मंदिर में हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया।

ब्रह्मसरोवर पर राजस्थानी नृत्य की प्रस्तुति देते कलाकार। (धर्मवीर)

सिटी एक्टिविटी CITY भास्कर
22 . जयपुर . बुधवार, 3 अगस्त 2011
dainikbhaskar.com

तीज का उल्लास

सिटी रिपोर्टर. जयपुर

तीज के अवसर पर सास व नई नवेली बहुएं लहरिया, चूड़ियां और श्रृंगार के अन्य आइटम खरीदती नजर आईं। जवाहर कला केन्द्र में पर्यटन विभाग की ओर से चल रहे सावन तीज महोत्सव 2011 में मंगलवार को कुछ ऐसा ही माहौल नजर आया। महिलाएं, बच्चे और बड़े सभी महोत्सव में खरीदारी के साथ झूले झूलने के लिए बेहद उत्साहित थे। मेले में अपने परिवारों के साथ आई गर्ल्स ब्लॉक प्रिंट और वेजिटेबल डाई के सूट खरीद रही थीं। कुंदन की बनी रिंग और इयररिंग ज्वैलरी सभी युवा वर्ग को अपनी ओर आकर्षित कर रही थी। तीज उत्सव में शहरवासियों का मजा तब और दुगना हो गया जब सुहाने मौसम में गर्म भुट्टे और [illegible] खाने को मिली।

जहां बात संस्कृति और त्योहारों में रंग जमाने की हो, तो ऐसे में भला कालबेलिया नृत्य को कैसे भूल जा सकता है। तीज महोत्सव के दौरान नृत्य की प्रस्तुति देती कालबेलियाई नृत्यांगनाएं।

न मेकअप का पता न फैशन का, लेकिन फिर भी इनमें है रैंप पर कैटवॉक करने का कॉन्फिडेंस। ऐसा ही कुछ देखने को मिला सावन तीज उत्सव के फैशन शो में।

लहरिए पर किया फैशन शो...

तीज महोत्सव में महिलाओं ने विभिन्न प्रकार के रंगों वाली लहरिया साड़ी पहनकर रैंप पर कैटवॉक किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान कालबेलिया डांस किया गया। महिलाओं के साथ-साथ बच्चों ने भी मेले में मेहंदी लगवाई। आर्ट एंड क्राफ्ट के आइटम्स भी खरीदे गए।

THE TIMES OF INDIA

INDIA'S LARGEST SELLING DAILY NEWSPAPER

NO. 27, VOL. CLVI. • NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 1 1993 • CAPITAL • 16 + 2 Capital Pages • Rs 2.40 ONLY

Folk dancers from Rajasthan performing at a press preview of the Surajkund Craft Mela on Sunday. The mela will begin on Monday.—TOI photo by Mohammed Ilyas. (Report on Capital II).

Naxals blast AP minister's house; threat to kill MLA

The Times of India News Service and Agencies

HYDERABAD, January 31.

SUSPECTED Naxalites blew up the house of the Andhra Pradesh animal husbandry minister, Mr P. Jagan Naik in Warangal district early today, a day after they kidnapped a Congress legislator and seven officials.

Mr Naik's house in Mandanapalli village was blown up with dynamite after his wife, son and daughter-in-law were woken up and taken outside. The minister was in the state capital when the incident occurred.

Mr Naik said that the house was completely destroyed and a tractor parked outside was blown to pieces.

The attack came even as the authorities were trying to establish contact with the outlawed People's War Group, which has demanded the release of three of its arrested leaders in exchange for Congress MLA, Mr Pasulupeti Balaraju and seven officials abducted from Koyyuru last evening.

The PWG, which has been on a

would realise the sentiments of the tribals and feelings of the families of the hostges and release them forthwith.

The chief minister said the three jailed Naxalites — Kranti Ramudu, his wife and Ramanna — whose release the ultras are demanding were lawfully arrested and were now in judicial custody.

Kranti and his wife were nabbed in Nagpur and Ramanna was arrested in Bangalore. Their arrests had led to a large haul of arms.

In a statement broadcast over All India Radio, an official spokesman said the three PWG extremists were "lawfully arrested and are now in judicial custody."

The official statement was broadcast from Hyderabad and also relayed from the Vijayawada station of AIR this afternoon.

NO INTERFERANCE: "The government cannot interfere with the judicial process", the AIR bulletin quoted the official spokesman as saying.

In fact, one of the extremists lodged in Warangal jail had issued a statement

Arjun plea on poll reforms

The Times of India News Service

BOMBAY, January 31: The human resource development minister, Mr Arjun Singh, has written a letter to the Prime Minister, Mr P. V. Narasimha Rao, suggesting electoral reforms to prevent

Replying to a question, Mr Singh hinted that the government might introduce a bill with far-reaching consequences during the ensuing budget session of Parliament.

"We cannot allow communal forces to utilise the secular de-

Chavam who had declared that the proposal to ban the Shiv Sena was under process. He said, "According to my assessment, there should not be any ban on any political party. We should fight them on the political platform rather than banning

Four new secretaries appointed

NEW DELHI, January 31 (PTI): The government today appointed four new secretaries in various Central ministries and the

दैनिक भास्कर
City भास्कर
जयपुर . सोमवार, 25 मार्च, 2013

TWEET of the day

"जब हमारे नल से पानी बहता है तो हम भूल जाते हैं कि पानी एक कम्युनिटी रिसोर्स है। इसकी जरूरत हर किसी को है और इसका कोई ऑप्शन नहीं हो सकता।
शेखर कपूर

TODAY'S MUST ATTEND

[illegible] 7:30 बजे [illegible] जयपुर [illegible] की ओर से [illegible] आयोजित होगा।

पेज 20

मंच पर शक और सौंदर्य का लॉकेट

पेज 22

जय और माही बने 'नच बलि 5' के विजेता, जीते 50 लाख

शुरू हुआ परंपरा के रंगों का

जेकेके में रविवार से शुरू हुए राजस्थान दिवस समारोह में राज्य के कलाकारों ने बिखेरे लोक रंग, मैटल के स्कूटर, साइकिल और मोटरसाइकिल खास आकर्षण का केंद्र बने।

सिटी रिपोर्टर. प्रदेश के पारंपरिक लोक कलाकारों की नृत्य और गायन प्रस्तुति का शहरवासियों ने जमकर लुत्फ लिया। लोग इस तरह आनंद ले रहे थे, जैसे इन कलाकारों को पहली बार देख व सुन रहे हों। मौका था पर्यटन विभाग और रूडा की ओर से रविवार को जवाहर कला केंद्र के शिल्पग्राम में शुरू हुए राजस्थान दिवस समारोह का। क्राफ्ट मेले, फूड कोर्ट और लोकरंग से सजे इस समारोह का उद्घाटन पर्यटन विभाग के मुख्य सचिव व आयुक्त राजेश श्रीवास्तव ने किया। मेले में रूडा की ओर से 45 स्टॉल्स लगाई गई हैं, जहां राज्यभर के आर्टिजंस ने अपने अनूठे व पारंपरिक उत्पादों को प्रदर्शित किया है। यह समारोह 31 मार्च तक चलेगा। इसमें थिएटर आर्टिस्ट्स की ओर से भी नाटकों का मंचन किया जाएगा।

मेटल का स्कूटर व [illegible]

क्राफ्ट बाजार में खास

मेले में पारंपरिक परिधान, डेकोरेटिव आइटम, ब्लू पॉटरी, बैंगल बॉक्स, ट्रेडिशनल साड़ियां, लकड़ी के खिलौने, धार्मिक वस्तुएं, फुटवियर, सांगानेरी व बगरू प्रिंट, लेदर की मोजड़ी, ट्रेडिशनल दरियां और ज्वैलरी सहित हस्तकला के विभिन्न उत्पादों की 45 स्टॉल्स लगाई गई हैं।

बिखरी लोक धुनों की छटा

मेले में विजिटर्स के मनोरंजन के लिए लोक कलाकारों ने कच्छी घोड़ी नृत्य प्रस्तुत किया। पहले दिन कलाकारों ने कालबेलिया, चरी नृत्य, भवाई, तेरहताल और मयूर नृत्य की प्रस्तुति दी। चौपाल नुमा स्टेज और झूंपड़े लगाकर राज्य के ग्रामीण अंदाज को पेश किया गया है।

823. hafengeburtstag

Parade mit Großseglern wie der „Alexander von Humboldt II" (Mitte) und der Fregatte „Mecklenburg-Vorpommern" (r.) bei der Einlaufparade

Farbige Tänzerinnen aus Indien begleiten Michel-Pastor Alexander Röder (li.), Bürgerschaftspräsidentin Carola Veit und Senator Frank Horch zur „Rickmer Rickmers"

HAMBURG FEIERT EXOTISCH

Von M. KRETSCHMER und J. KÖHNEMANN

Hafen – Ahoi! Die größte Fete der Welt läuft! Der 823. Hafengeburtstag ist ein ganz besonderer! Denn Hamburg feiert exotisch! Bunt gekleidete, fröhliche Hafen-Fans aus Indien sind dabei!

Wolken, aber auch Sonne und bis zu 21 Grad lock... Bührow predigte gemeinsam mit Michel-Pastor Röder. Dann ging's mit Tanzbegleitung aus Indien runter an die Elbe.

Um 15 Uhr schlugen Bürgermeister Olaf Scholz und Indiens Handelsminister Anand Sharma die Messingglocke auf der „Rickmer Rickmers" – Startsignal für die Schiffsparade und die weltgrößte maritime Sause.

...feiert Jubiläum – die Werft ist 135 Jahre alt. Prof. Peter Tamm und Bürgermeister Scholz gratulierten Werft-Chef Herbert Aly, eröffneten die Jubiläums-Ausstellung im Internationalen Maritimen Museum.

Wochenend-Highlights: Sonnabend, 18 Uhr: Schlepperballett vor den Landungsbrücken +++ 22 Uhr Schiffstaufe der „AIDAmar" vor der Fischauktionshalle +++ Sonntag, 13 Uhr: „Queen Mary 2" in der HafenCity +++ 16.30 Uhr Start der Auslaufparade

Menschenmassen an den Landungsbrücken bei der Einlaufparade – rund 300 000 Besucher kamen am ersten Tag

Internationaler Tag des Fischbrötchens

Hafen – Heute feiern Tourismusverbände den „2. Welt-Fischbrötchentag"! BILD fragte Besucher auf dem Hafengeburtstag, wie ihnen Hering, Lachs und Krabben zwischen Zwiebeln, Salat und Majo so schmecken. mm

Linda Mense (25) repräsentiert Hamburg in Indien, freut sich, zum Hafengeburtstag hier zu sein: „Ich und zu vermisse ich schon die Hamburger Fischbrö...

11 Seiten Hamburg
Sport: Seiten 15 bis 19

EBBE & FLUT

Sonnabend
Hamburg: Hochwasser 10.02, 22.15; Niedrigwasser 4.57, 17.02 Uhr.
Cuxhaven: Hochwasser 6.26, 18.38, Niedrigwasser 0.49, 12.59 Uhr.

Sonntag
Hamburg: Hochwasser 10.55, 23.10, Niedrigwasser 5.47, 17.52 Uhr.
Cuxhaven: Hochwasser 7.20, 19.36, Niedrigwasser 1.38, 13.48 Uhr.

HAMBURG-WETTER

6 Uhr	heiter	8 Grad
12 Uhr	wolkig	11 Grad
18 Uhr	heiter	7 Grad
22 Uhr	klar	4 Grad

© Q.met GmbH • www.wetter.net

LOTTO-KENO
Freitag-Ziehung vom 11.05.2012
2, 5, 9, 26, 30, 32, 34, 36, 38, 40, 42, 45, 46, 48, 49, 53, 54, 55, 56, 66
Plus 5: 08850
Angaben ohne Gewähr

ROCK ON AT CHAOS

With no restriction on genres, expect music of different tastes at IIM-A's annual fest this year

CLOCKWISE FROM TOP: Sarah, a violinist from Venice in a fun *jugalbandi* with Rajasthani folk artistes. Rajki Sapera from the nine-member troupe performs the energising *ghumar* dance. Her next performance was the *sapera nritya*. Pandit Vishwa Mohan Bhatt took to the stage next to entrall the audience with lilting music from his Mohan Veena

TANUSHREE BHATIA

Get set to rock at Chaos 2010. Bolstered with good sponsors, the organisers of the annual fest of Indian Institute of Management, Ahmedabad (IIM-A), are all set to stage a dazzling rock show this year.

Eight to 10 bands, including Decayed Souls Renegade of apnu Amdabad, have been short-listed for the musical extravaganza. They will compete with each other beat by beat on Friday night to win the Blizzards of Rock contest.

The winners will perform on Rock Nite on January 31 before Outro band members take the stage at Louis Kahn Plaza Gardens on IIM-A campus. The IIM-A band will also perform on the Rock Nite.

Expect music of different tastes at Chaos this year. For, there is no restriction on genres. Also, most of the selected bands are from different regions.

"The selection of the genre entirely depends on the bands this time.

"We have introduced this system for the first time to add a new flavour to the fest," said Himanshu Bora, the co-ordinator of Blizzards of Rock.

Unlike last year, most of the bands that would be performing at Chaos this time are from different parts of India. "The budget for the fest is huge this year. We couldn't provide travel reimbursements to the participants last year because of economic slowdown and ended up losing some good participants. But this year, it will be a different picture all together. We have also concentrated on technicalities like production and sound this year," said Himanshu.

The bands interested in participating were asked to submit their two original compositions. The bands were short-listed on the basis of their originality in music.

"It took us a month-and-half to get in touch with all the bands and their gigs," added Himanshu.

Besides the rock competition, the fashion show would be a big crowd-puller. Teams from different institutions including Mumbai University, NID, NIFT, Gandhinagar and IIM-A, will take part.

"The theme of this year's fashion show final is 'Surreal'. Teams will be judged on the basis of western, ethnic and fusion variety," said Yash Dholakia, the co-ordinator of the fashion show.

Fashion photographer Ilesh Shah and designers Shyamal of Shyamal and Bhumika will judge the fashion show final on Friday from 8 pm. The winner will be signed by Shah for a one-year contract. Besides, Rs 1.5 lakh would be up for grabs for the contenders.

राजस्थान पत्रिका
सोमवार, 5 अक्टूबर, 2009

ओसियां में मारवाड़ समारोह के समापन पर चरी नृत्य की प्रस्तुति देती कलाकार।

just जोधपुर

नाच उठा मेहरानगढ़

शिवमणी के ड्रम का जादू और स्पेन के साथ राजस्थानी फ्यूजन

शिवमणी ने जब ड्रम स्टिक्स को अंगुलियों पर नचाना शुरू किया तो मेहरानगढ़ के किले की दीवारों से ड्रम की बीट्स टकराकर नाद करने लगी और देसी क्या, विदेशी क्या, सब नाच उठे.. एक पल के लिए शिवमणी के हाथ रुकते तो दर्शकों के हाथ उठ जाते और तालियों की गड़गड़ाहट से माहौल बोल उठता- वाह शिवमणी वाह!

स्पेन के कलाकार के साथ राजस्थानी कलाकार ने दी जुगलबंदी। एसके मुन्ना